संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
25 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 152
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

समरसता संकल्प यात्रा का 25 नवंबर को हरियाणा में होगा भव्य स्वागत, कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे विशाल जनसभा को संबोधित : डॉ. अर्चना गुप्ता



पेज-8

मोटी-मोटी बातें

NDA में शिअद की वापसी पर PM मोदी ने जताई खुशी, BJP-अकाली गठबंधन को बताया 'स्वाभाविक साझेदारी'

नई दिल्ली– पंजाब की राजनीति में बड़े बदलाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) में वापसी का स्वागत किया है। उन्होंने भाजपा और अकाली दल के गठबंधन को 'स्वाभाविक साझेदारी' बताते हुए कहा कि यह गठबंधन पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को प्राथमिकता देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर अकाली दल का NDA परिवार में लौटना बेहद खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि पंजाब और यहां के लोगों का हित दोनों दलों की प्राथमिकता रहेगा।

पीएम मोदी ने भाजपा और अकाली दल के पुराने रिश्तों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को याद किया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने इस गठबंधन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। मोदी ने भरोसा जताया कि दोनों दलों की दोबारा साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरेगी और पंजाब की जनता की पसंद बनेगी।

भाजपा-शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन पंजाब को नई दिशा देने और मजबूत बनाने का काम करेगा: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़– हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के गठबंधन को पंजाब के हित में लिया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह गठबंधन प्रदेश को मजबूती देने, नई दिशा प्रदान करने और लोगों के सम्मान की रक्षा करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि दिलों का गठबंधन और प्राकृतिक साझेदारी है। इसका उद्देश्य पंजाब को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना और प्रदेश के लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करना है। मुख्यमंत्री मंगलवार को गुरुग्राम में मीडिया कर्मियों से बात कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की सभी हरियाणा एवं देशवासियों, विशेषकर पंजाब की संगत और प्रदेशवासियों को लाख-लाख बधाइयां एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सेवा, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया, जो आज भी समाज को एकता और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

अमेरिका की गिरावट और चीन के दबदबे को मिल रही चुनौती के बीच पीएम मोदी की रैंकिंग भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का प्रमाण : अंकित भूपतानी

मुंबई। लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट को लेकर एलजीबीटी राइट्स एक्टिविस्ट और क्वीयर हिंदू अलायंस के संस्थापक अंकित भूपतानी ने भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति को सकारात्मक बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पतन और चीन के दबदबे को मिल रही चुनौती के दौर में भारत का आगे बढ़ना बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी का शी जिनपिंग के ठीक बाद दूसरे नंबर पर होना सिर्फ एक नेता की नहीं, बल्कि पूरी भारतीय राजनीति और आर्थिक ताकत की जीत है।

अंकित भूपतानी ने कहा, 'सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि दुनिया की मौजूदा वैश्विक स्थिति क्या है, जिसमें अमेरिका का पतन जारी है और चीन के दबदबे को चुनौती मिल रही है। ऐसे में भारत की वैश्विक स्तर पर सकारात्मक स्थिति, भारत की रैंकिंग के लिहाज से एक सकारात्मक बदलाव है।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की रैंकिंग, जो शी जिनपिंग की रैंकिंग के ठीक बाद है, एक स्वागत योग्य कदम है। यह सिर्फ एक नेता का नहीं, बल्कि पूरी भारतीय राजनीति का प्रतिबिंब है, जिसमें हमारी आर्थिक संपन्नता भी शामिल है। इसलिए यह एक सकारात्मक कदम है।

भाजपा प्रमुख नितिन नवीन के एआई-जनरेटेड वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के एक फर्जी वीडियो के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाए गए इस फर्जी वीडियो में राष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े भ्रामक बयान शामिल थे, जिन्हें सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर फैलाया जा रहा था।

इस वीडियो में नितिन नवीन को विवादास्पद बयान देते हुए दिखाया गया था। इसमें भारत-चीन संबंधों, पाकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान 'तेजस' के बारे में कथित तौर पर मनगढ़ंत और भ्रामक बातें कही गई थीं।

यह घटनाक्रम तब सामने आया जब दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में भाजपा का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) से मिला। उन्होंने एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई और नितिन नवीन के भाषण के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की साइबर सेल (आईएफएसओ) को मामले की जांच सौंप दी गई है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सुप्रिया सुले ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों को किया खारिज, शरद पवार को लेकर बोलीं- संन्यास नहीं लेंगे

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मंगलवार को उन अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि वरिष्ठ नेता शरद पवार सक्रिय राजनीति से संन्यास ले सकते हैं और उनका गुट भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो सकता है। सुप्रिया सुले ने शरद पवार के राजनीतिक भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर नाराजगी जताई और उनके संन्यास लेने की चर्चा को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने कहा, 'शरद पवार संन्यास नहीं लेंगे। कौन संन्यास लेगा, यह जनता तय करेगी। शरद पवार का राज्यसभा में अभी 5 साल का कार्यकाल बाकी है, तो वे संन्यास कैसे ले सकते हैं?' संजय राउत ने भी इन रिपोर्टों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पवार का छह दशक लंबा राजनीतिक करियर कट्टरपंथी ताकतों से लड़ने और समाज सुधारकों के आदर्शों को बनाए रखने के इर्द-गिर्द रहा है।

पंजाब में भाजपा-अकाली दल गठबंधन का एलान, 2027 का विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे दोनों दल



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब की राजनीति में बड़े घटनाक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने फिर से गठबंधन का एलान किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि दोनों दल आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अलावा शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी मौजूद रहे।

गठबंधन की घोषणा करते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब से नशे और भ्रष्टाचार का उन्मूलन दोनों दलों का प्रमुख लक्ष्य होगा। उन्होंने राज्य को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि भाजपा-अकाली दल की सरकार बनने पर 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह नशे से मुक्त कर दिया जाएगा।

नशे और भ्रष्टाचार के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे

अमित शाह ने कहा कि पंजाब कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इनमें नशे की समस्या और भ्रष्टाचार प्रमुख हैं। गठबंधन का उद्देश्य राज्य को इन समस्याओं से बाहर निकालना और पंजाब के विकास को नई दिशा देना होगा।

उन्होंने नशामुक्त पंजाब के लक्ष्य के लिए 31 दिसंबर 2029 की समयसीमा तय करने की बात कही। शाह के अनुसार, दोनों दल मिलकर इस दिशा में काम करेंगे।

शाह ने गठबंधन की घोषणा करते हुए इसे एक 'राष्ट्रीय और भावनात्मक' समझौता बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दोनों दल पंजाब की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और मुख्यमंत्री का पद शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) को मिलेगा। उन्होंने कहा, ''अकाली दल पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा-अकाली गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका निभाएगा।''

उन्होंने यह भी कहा कि अकाली दल के वापस आने से अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) पूरा हो गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि उनका रिश्ता वाजपेयी-आडवाणी के दौर से चला आ रहा है। यहां शाह और अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साथ एक प्रेस वार्ता में गठबंधन की घोषणा करते हुए भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि दोनों पार्टियां पंजाब को विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम करेंगी।

बादल ने कहा कि यह कोई राजनीतिक नहीं बल्कि एक भावनात्मक गठबंधन है। शाह ने कहा कि चुनावों के लिए दोनों दलों द्वारा जल्द ही विस्तृत घोषणापत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा, लेकिन पंजाब से नशे की समस्या को जड़ से खत्म करना, किसानों के कल्याण के लिए मिलकर काम करना और हिंदू-सिख एकता को बढ़ावा देना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल होगा। राज्य में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी का विश्व रिकॉर्ड, सिर्फ 52 गेंदों में जड़ दिया दोहरा शतक; भारत A को सेमीफाइनल में पहुंचाया



दोहा– भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने मंगलवार को राइजिंग स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ महज 52 गेंद में दोहरा शतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के चाड बोव्स का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2024 में फोर्ड ट्रॉफी में कैंटरबरी की ओर से ओटागो के खिलाफ 103 गेंद में दोहरा शतक लगाया था।

पंद्रह वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी 53 गेंद में 204 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस विस्फोटक पारी में सात चौके और 28 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 384.90 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। भारत ए ने सूर्यवंशी की तूफानी पारी की बदौलत यूएई को सात विकेट से हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम ने 250 रन का लक्ष्य महज 14.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और तमिलनाडु के बल्लेबाज नारायण जगदीशन भी शामिल हैं। इन तीनों ने 114 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया था। ब्रूक ने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ने इससे पहले लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल में लिखा 'खालिस्तान जिंदाबाद'

बेंगलुरु– पंजाबी सिंगर और ग्लोबल स्टार दिलजीत दोसांझ के आगामी कॉन्सर्ट से पहले बेंगलुरु में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनके शो को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। ईमेल में 'खालिस्तान जिंदाबाद' का नारा भी लिखा गया है।

धारवाड़ पुलिस कमिश्नर को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें कॉन्सर्ट के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) से धमाका करने की चेतावनी दी गई है। दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट 29 नवंबर को बेंगलुरु के मडावरा इलाके में NICE रोड ग्राउंड पर आयोजित होना है। इसी कार्यक्रम को निशाना बनाकर ईमेल भेजे जाने की बात सामने आई है।

धमकी भरे ईमेल में केवल बम धमाके की चेतावनी ही नहीं दी गई, बल्कि कॉन्सर्ट में आने वाले लोगों को कई अन्य निर्देश भी दिए गए हैं। ईमेल में लोगों से बच्चों को साथ नहीं लाने, आईफोन कॉल का जवाब नहीं देने और मेट्रो से सफर करने से बचने की चेतावनी दी गई है। संदेश के सामने आने के बाद प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

पहले भी मिली चुकी हैं धमकियां

25 मई 2026 – लुधियानाः दिलजीत के लुधियाना स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली।

23 अक्टूबर 2026 – मुंबईः मेयर कार्यालय को ईमेल भेजकर दिलजीत के 27 नवंबर के कॉन्सर्ट पर आत्मघाती हमले की धमकी दी गई।

2 नवंबर 2026 – इंदौरः 3 स्कूलों और मेयर कार्यालय को कॉन्सर्ट से जुड़े बम धमाके के धमकी भरे ईमेल मिले।

UP के कन्नौज में भीषण हादसा: खड़ी स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 4 बच्चों की मौत, 32 घायल



कन्नौज (उत्तर प्रदेश)– उत्तर प्रदेश के कन्नौज में मंगलवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि 32 लोग घायल हो गए। घायलों में 24 विद्यार्थी और स्कूल के आठ कर्मचारी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी स्कूल बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 6 बजे ठठिया क्षेत्र के पास हुआ। कौशांबी स्थित ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस में सवार विद्यार्थी आगरा में ताजमहल घूमकर वापस लौट रहे थे। बस में विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ सहित कुल 50 लोग सवार थे। एक्सप्रेसवे के किनारे बस को इसलिए रोका गया था, ताकि बच्चे शौचालय जा सकें।

इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई बच्चे उसमें फंस गए। दि0 24.11.2026 को समय लगभग प्रातः 05:30 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बस-ट्रक का एक्सीडेंट हो गया था तथा fs यूनिट ने मौके पर पहुंचकर एक्सीडेंट में घायलों को उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल भेज दिया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित राष्ट्र' बनेगा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रकाश पर्व के मौके पर प्रदेशवासियों और देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

देहरादून में सीएम धामी ने ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री न केवल एशिया में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। कार्तिक पूर्णिमा और गुरुपर्व के इस अवसर पर मैं गुरु महाराज से प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करूंगा और कामना करूंगा कि हमारा देश आने वाले कई वर्षों तक उनके नेतृत्व का लाभ उठाता रहे। उनके नेतृत्व में भारत एक 'विकसित भारत' बने।

प्रकाश पर्व का जिक्र करते हुए धामी ने कहा कि मैं गुरु नानक देव जी को नमन करता हूं और प्रकाश पर्व के अवसर पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी गुरु नानक देव की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें, कड़ी मेहनत करें, सबके साथ अच्छा व्यवहार करें और दूसरों की तरक्की में हर संभव योगदान दें। इसी प्रकार से हम सभी लोग सभी त्योहारों और पर्वों को एक साथ मिलकर मनाते रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव की तीन प्रमुख शिक्षाएं हमें परमात्मा का स्मरण करने, ईमानदारी से परिश्रम कर आजीविका अर्जित करने और अपनी कमाई को दूसरों के साथ साझा करने की प्रेरणा देती हैं। इन शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर



हम एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। सिख परंपरा में निहित 'सरबत दा भला' की भावना हमें सभी के सुख और कल्याण की कामना करना सिखाती है। सिख समाज ने सेवा, साहस और समर्पण की गौरवशाली परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। देश की सीमाओं की रक्षा, आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों तथा जरूरतमंदों की सहायता में सिख समाज का योगदान अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सिख समाज की आस्था से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से सुरक्षित है भारत की पहचान: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से भारत की पहचान सुरक्षित है। देश और धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने जो बलिदान दिया, वह भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उनकी परंपरा ने न केवल आस्था और संस्कृति की रक्षा की, बल्कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी दिया। जब तक भारत सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई भी ताकत भारत का बाल बांका नहीं कर सकेगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को ऐशबाग रोड स्थित डीएवी पीजी कॉलेज मैदान में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने प्रदेश सरकार और जनता की ओर से सिख समाज को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। अमृतसर के हेड ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह और सिख समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर तलवार तथा गुरु नानक देव जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज ने मानवता को जोड़ने और समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने देशभर में यात्राएं कर 'एक ओंकार' का संदेश दिया। ईश्वर एक है और सभी मनुष्य उसकी संतान हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता पलायन नहीं सिखाती, बल्कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध निर्भीक



होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। सिख गुरुओं की परंपरा इसी साहस, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी के तीन प्रमुख सिद्धांतों 'नाम जपो, कीरत करो और वंड छको' का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे समाज को नई दिशा मिली। ईश्वर का स्मरण, ईमानदारी से परिश्रम और अपनी कमाई में दूसरों को भागीदार बनाना जीवन को सार्थक बनाता है।

गुरुद्वारों में चलने वाली लंगर व्यवस्था इसका जीवंत उदाहरण है। यहां जाति, मत और मजहब का भेद किए बिना सभी लोग एक साथ पंगत में बैठकर भोजन करते हैं। यह समानता और सेवा की भावना भारतीय समाज की बड़ी शक्ति है।

गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर कपालमोचन की पावन धरती पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं केवल किसी एक धर्म, समाज या समय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनकी शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज को सत्य, सेवा, समानता और सद्भाव का संदेश दिया। गुरु साहिब ने जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव की दीवारों को चुनौती देते हुए कहा कि परमात्मा की बनाई इस दुनिया में हर इंसान बराबर है।

मुख्यमंत्री सोमवार देर शाम यमुनानगर स्थित कपालमोचन की



पावन धरती पर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दूर-दूर से पहुंचे साध-संगत का अभिनंदन करते हुए प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ड्रोन, लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से हरियाणा की गौरवशाली विरासत को आकाश में साकार होते दिखाया गया। इसमें श्री गुरु नानक देव जी का सत्य, सेवा और समानता का संदेश, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का कपालमोचन में 52 दिनों का प्रवास तथा बाबा बंदा सिंह बहादुर जी का शौर्य प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने श्राईन बोर्ड को धर्मशालाओं के



विकास के लिए 2 करोड़ रुपये की सहायता की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थराज कपालमोचन हमारी साझा आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत प्रतीक है। महाभारत और पुराणों की परंपराओं में भी इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। श्री गुरु नानक देव जी ने भी इस पावन स्थल पर अपने चरण रखे थे। भंगाणी के युद्ध के बाद दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का यहां 52 दिनों तक ठहरना इस भूमि के सिख इतिहास से गहरे संबंध को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने 'एक ओंकार' का संदेश देकर पूरी मानव जाति को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की वाणी में यह सार्वभौमिक भावना अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त होती है- 'अवल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे। एक नूर ते सब जग उपजिया, कौन भले कौन मंदे।'

न्यूज डायरी

संजय अवस्थी 25 नवम्बर को बथालंग में

हिन्द जनपथ

सोलन (ब्यूरो)। अर्की के विधायक संजय अवस्थी 25 नवम्बर, 2026 को अर्की विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। संजय अवस्थी 25 नवम्बर, 2026 को प्रातः 11.30 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बथालंग में आयोजित वार्षिक दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। विधायक तदोपरान्त जन समस्याएं भी सुनेंगे।

एसयूडी लाइफ ने एक नया जीवन बीमा प्लान लांच किया

हिन्द जनपथ

शिमलाः स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसयूडी लाइफ) ने 'एसयूडी लाइफ युवा स्मार्ट टर्म' नाम से एक नया शुद्ध टर्म जीवन बीमा प्लान लांच करने की घोषणा की है। यह प्लान उन व्यक्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो अपने परिवार को सरल और प्रभावी वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं। स्टेज अपग्रेड का विकल्प प्रदान कर रहा है। एसयूडी लाइफ के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभय तेवारी ने कहा कि एसयूडी लाइफ युवा स्मार्ट टर्म के माध्यम से हमारा उद्देश्य युवा भारतीयों को जीवन के शुरुआती दौर से ही अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने में मदद करना है। इस प्लान को सरल रखा है और साथ ही ग्राहकों को उनकी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों एवं जरूरतों के अनुरूप विकल्प भी उपलब्ध कराए हैं।

हिमाचल भाजपा की प्रदेश कोर कमेटी घोषित

हिन्द जनपथ

शिमलाः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आदेशानुसार हिमाचल प्रदेश भाजपा की प्रदेश कोर कमेटी की घोषणा कर दी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। प्रदेश कोर कमेटी में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश महामंत्री संगठन सिद्धार्थन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप, लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती, लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक विपिन सिंह परमार, राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य और प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल को शामिल किया गया है।

इसके अतिरिक्त भाजपा प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा एवं प्रदेश सह प्रभारी दर्शना सिंह को कोर कमेटी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रदेश कोर कमेटी में कुल 12 सदस्य एवं दो विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हैं।

हिमाचल की सड़कों पर दो साल में 2399 मौतें, ऊना में सबसे ज्यादा हादसे, कांगड़ा में गईं सर्वाधिक जानें

हिन्द जनपथ

शिमलाः 24 महीने यानी दो साल में हिमाचल में सड़कों पर ही करीब 2400 लोगों की जान गई है। इस अवधि में यहां 2609 छोटे-बड़े सडक़ हादसे हो चुके हैं। सबसे अधिक 383 मौतें जिला कांगड़ा में दर्ज की गईं। ऊना जिला में 339 लोग हादसों की भेंट चढ़ गए। शिमला जिला में 336 अनमोल सांसें दुर्घटनाओं में सदा-सदा के लिए थम गईं।

हिमाचल प्रदेश में दो साल के अंतराल में (नवंबर 2026) तक कुल 2609 रोड एक्सीडेंट हुए। इन दुर्घटनाओं में 2399 लोगों ने जान गंवा दी। सबसे अधिक सडक़ हादसे जिला ऊना में पेश आए हैं। यहां कुल 557 सडक़ हादसे हुए, जिनमें 339 लोगों ने जान गंवाई। उसके बाद जिला कांगड़ा में 409 सडक़ दुर्घटनाएं हुई हैं। यहां सबसे अधिक जनहानि हुई। कांगड़ा जिला को में 383 लोगों की मौत हुई है। जिला शिमला में 381 हादसों में 336 लोगों की डेथ हुई। जिला सोलन में हादसों की संख्या 255 रही और 255 ही मौत का आंकड़ा है। मंडी जिला में दो साल में 237 सडक़ दुर्घटनाओं में 249 लोगों की मौत हुई है।

हमीरपुर जिला में 164 सडक़ हादसों में 64 लोगों की मृत्यु हुई। चंबा जिला में 146 रोड एक्सीडेंट हुए। इनमें 210 लोगों की जान गई। जिला कुल्लू में हादसों की संख्या 127 रही। यहां 142 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। बिलासपुर जिला में 125 रोड एक्सीडेंट्स में 95 लोगों की जान गई। लाहौल-स्पीति में 97 दुर्घटनाओं में 44 लोगों की मौत हो गई। किन्नौर में 58 हादसों में 73 लोगों ने जान गंवाई। सिरमौर में 53 सडक़ दुर्घटनाओं में 209 लोगों की जान गई।

सिरमौर में तो साल 2026 की शुरूआत ही बेहद दुखद हादसे से हुई थी। यहां हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 14 लोगों की जान चली गई थी। पहाड़ी राज्य में सडक़ हादसों का कारण संकरी सडक़ें व गहरी खाईयां हैं। यहां वाहन गहरी खाई में गिर जाए तो जनहानि की आशंका अधिक रहती है। हाल ही में मंडी जिला के जोगेंद्रनगर के लड़भड़ोल इलाके में सडक़ हादसे में छह लडक़ों की मौत हुई है। देखा गया है कि मैदानी जिलों की बजाय पहाड़ी जिलों में अधिक मौतें होती हैं।

गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं मानवता के लिए मार्गदर्शक प्रकाश एवं राष्ट्रीय एकता की प्रेरणास्रोत: राज्यपाल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज कहा कि श्री गुरु नानक देव जी की कालजयी शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक प्रकाश हैं। उनकी शिक्षाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों को समानता, निःस्वार्थ सेवा, विश्व बंधुत्व और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती रही हैं।

राज्यपाल श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर जिला सोलन के गुरुद्वारा सिंह सभा, सपरुन में माथा टेकने के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों, विशेषकर सिख संगत को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी के तीन मूलभूत सिद्धांत 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' एक संवेदनशील, समतामूलक एवं सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण का सशक्त आधार प्रदान करते हैं।



राज्यपाल ने कहा कि सिख गुरुओं के अद्वितीय बलिदान तथा स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में सिख समुदाय का अतुलनीय योगदान सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सिख विरासत एवं गौरवशाली इतिहास के संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2019 में करतारपुर साहिब कॉरिडोर का शुभारंभ सिख समुदाय की दशकों पुरानी आकांक्षा की पूर्ति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम रहा। उन्होंने 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाए जाने की पहल का भी उल्लेख किया, जिसके माध्यम से साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया जाता है।

कविन्द्र गुप्ता ने श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व तथा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के राष्ट्रव्यापी आयोजनों का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने हेमकुंड साहिब रोप-वे परियोजना, सेवा भोज योजना तथा वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किए गए प्रयासों को भी महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि ये सभी पहलें सिखों की गौरवशाली विरासत के संरक्षण, धार्मिक भावनाओं के सम्मान तथा समुदाय के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

हिंदू और सिख समुदायों के बीच सदियों पुराने आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दोनों समुदायों की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक विरासत एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने समाज में धार्मिक आधार पर विभाजन पैदा करने वाली शक्तियों के प्रति आगाह करते हुए नागरिकों से ऐसी विभाजनकारी सोच के प्रति सतर्क रहने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों, विशेषकर युवा पीढ़ी से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की।

हैकाथॉन में चमका चंबा के पीएम श्री स्कूलों का टैलेंट: नवाचारी मॉडलों से जीता दिल, दो टीमें राज्य स्तर के लिए चयनित!



शिमला/चंबा। स्कूली विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा के सॉफ्ट स्किल्स कार्यक्रम के तहत राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चंबा में जिला स्तरीय हैकाथॉन का आयोजन किया गया। इसमें जिले के 12 पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लेकर अपने नवाचारी विचारों और कार्यशील मॉडलों के जरिए वास्तविक जीवन की विभिन्न समस्याओं के व्यावहारिक समाधान पेश किए।

प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले के बीच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चंबा ने प्रथम और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, होली ने द्वितीय स्थान हासिल किया। अब ये दोनों चयनित टीमें राज्य स्तरीय हैकाथॉन में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस आयोजन का संचालन HopingMinds द्वारा किया गया, जिसमें Katina Skills Private Limited और Latina Skills Private Limited ने क्रियान्वयन में सहयोग दिया।

समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों में डिजिटल दक्षता, डिजाइन थिंकिंग, टीम वर्क, समस्या समाधान और नेतृत्व क्षमता विकसित की जा रही है। साथ ही शिक्षकों के क्षमता निर्माण, विद्यालय नेतृत्व विकास और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं। हैकाथॉन में छात्रों ने सीमित समय में टीम के रूप में काम करते हुए अपने विचारों को उपयोगी मॉडलों का रूप दिया।

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा साहिब में शीश नवाकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए की अरदास

भूपिन्दर चौहान

शिमला : पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु, पूज्य गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर लोकल बस स्टैंड स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर माथा टेका और गुरु चरणों में शीश नवाया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए अरदास की।



जयराम ठाकुर ने कहा कि गुरु नानक देव जी का संपूर्ण जीवन और उनकी शिक्षाएँ मानवता के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने 'एक ओंकार', सेवा, सच्चाई, समानता और भाईचारे का संदेश देकर समाज को भेदभाव एवं ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति मानव सेवा, परोपकार और सभी के प्रति प्रेम एवं सम्मान के भाव में निहित है। गुरु नानक देव जी के विचार और आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

सेना पर टिप्पणी के लिए माफी मांगें और इस्तीफा दें जगत सिंह नेगी : सुशील कड़शोली

सीटीओ पर युवा मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन, पुतला दहन को लेकर पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

हिन्द जनपथ

शिमलाः भाजपा युवा मोर्चा ने मगलवार को शिमला के सीटीओ चौक पर कांग्रेस सरकार के मंत्री जगत सिंह नेगी के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया । प्रदर्शन में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सुशील कड़शोली सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने जगत सिंह नेगी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

सुशील कड़शोली ने कहा कि जिस प्रकार जगत सिंह नेगी ने विधानसभा में भारतीय सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर टिप्पणी की है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व है। ऐसे में सेना की वीरता पर सवाल उठाने वाली टिप्पणियां किसी भी जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा नहीं देतीं।

उन्होंने कहा कि जगत सिंह नेगी अपने बयानों में राजनीतिक मर्यादा और संयम खो चुके हैं। उन्हें अपनी टिप्पणी के लिए देशवासियों और भारतीय सेना से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए तथा नैतिकता के आधार पर तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के दौरान जगत सिंह नेगी का पुतला दहन करने को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई और सीटीओ चौक पर काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। पुतला दहन रोकने के दौरान पुलिस द्वारा अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंगुइशर) का भी प्रयोग किया गया।



साईं बाबा की शिक्षाएं मानवता, प्रेम और निस्वार्थ सेवा का देती हैं संदेश : यादविंदर गोमा

धर्मशाला (लंज)- साईं मंदिर लंज में भगवान श्री सत्य साईं बाबा के 101वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक समारोह का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ किया गया। समारोह में हिमाचल प्रदेश के आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल तथा कानून मंत्री यादविंद्र गोमा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उप मुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।



इस अवसर पर मंत्री यादविंद्र गोमा ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान श्री सत्य साईं बाबा के 101वें जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साईं बाबा का संपूर्ण जीवन प्रेम, करुणा, मानवता और निस्वार्थ सेवा के उच्च आदर्शों को समर्पित रहा है। उनकी शिक्षाएं समाज को आपसी भाईचारे, सद्भाव और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साईं बाबा के विचार और शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हैं। विशेषकर युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान देना चाहिए।

मंत्री ने समारोह के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले बच्चों को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने इस दौरान स्थानीय लोगों द्वारा उनके समक्ष रखी गई विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को भी गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि भगवान श्री सत्य साईं बाबा के आदर्श आज भी संपूर्ण मानवता को प्रेम, सेवा, शांति और भाईचारे का संदेश देते हैं। ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी एकता और सद्भाव को मजबूत करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जंगल में छिपाया था संकट मोचन मंदिर का खजाना, आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने किया बरामद

शिमला। संकट मोचन मंदिर चोरी मामले में शिमला पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई मंदिर की संपत्ति बरामद की है। अभियोग संख्या 236/26 दिनांक 01.11.2026, धारा 331(4), 305(D) BNS, पुलिस थाना पश्चिम, जिला शिमला के तहत दर्ज मामले में आरोपी हितेन्द्र कंवर उर्फ बंटी (31 वर्ष), निवासी बसंतपुर, तहसील सुन्नी, जिला शिमला को दिनांक 23.11.2026 को धारा 120B BNS के तहत गिरफ्तार किया गया था। मामले के आगामी अन्वेषण के दौरान दिनांक 23.11.2026 को आरोपी हितेन्द्र कंवर की निशानदेही पर कमयाणा, भराड़ी के समीप जंगल से संकट मोचन मंदिर से चोरी की गई संपत्ति बरामद की गई। बरामद सामान में हनुमान जी की गदाएं, चांदी के मुकुट, छत्र, पायल, कड़े, कुंडल, कटोरियां, चम्मच, हार, चांदी की जोत, चरण पादुकाएं सहित विभिन्न धार्मिक आभूषण एवं अन्य वस्तुएं शामिल हैं। बरामदगी के दौरान संकट मोचन मंदिर के ट्रस्टी भी मौके पर मौजूद रहे, जिन्होंने बरामद सामान की पहचान मंदिर से चोरी हुई संपत्ति के रूप में की।



भारत की समृद्ध विरासत, आध्यात्मिक शक्ति और आधुनिक प्रगति विश्व को कर रही है प्रेरित: राज्यपाल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत तीव्र गति से आधुनिक विकास की ओर अग्रसर होने के साथ-साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण के एक नए दौर से गुजर रहा है। देश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सभ्यतागत विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान और सम्मान मिल रहा है।



राज्यपाल आज सिरमौर जिला में अंतरराष्ट्रीय श्री रेणुका जी मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी उपस्थित थीं।

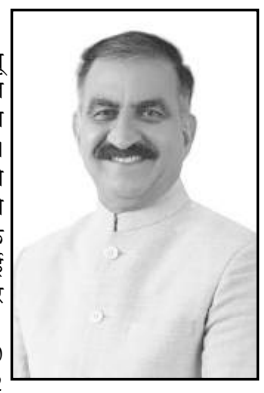
राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'विकास भी, विरासत भी' का मंत्र देश की विकास यात्रा को नई दिशा प्रदान कर रहा है। यह मंत्र आधुनिक प्रगति के साथ-साथ भारत की प्राचीन सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देता है।

कविन्द्र गुप्ता ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और उज्जैन में श्री महाकाल लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी पहल भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि श्री रेणुका जी मेले जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन देश की सभ्यतागत पहचान को सुदृढ़ करने, पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने माता रेणुका जी और भगवान परशुराम जी के दिव्य मिलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मेला मातृत्व के स्नेह, त्याग, श्रद्धा और भारतीय पारिवारिक मूल्यों की अटूट शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सनातन धर्म में नारी के विशिष्ट स्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि सीता-राम, राधा-कृष्ण और लक्ष्मी-नारायण के नामों का एक साथ स्मरण करना भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति के प्रति गहन सम्मान और श्रद्धा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक आचरण में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। प्रधानमंत्री के महिला नेतृत्व वाले विकास के विजन के अनुरूप समाज को महिलाओं के लिए शिक्षा, विज्ञान, उद्यमिता, राजनीति और लोक प्रशासन सहित प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व की अधिक से अधिक संभावनाएं उपलब्ध करवाई जानी चाहिए।

पिछले चार वर्षों में 7,950 एनडीपीएस मामले दर्ज, लगभग 92 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां जब्त: सुक्खू

हिन्द जनपथ

शिमला :मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य से चिट्टे सहित सभी प्रकार के मादक पदार्थों का समूल नाश करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सभी संबंधित विभागों एवं केंद्रीय एजेंसियों को आपसी समन्वय और जवाबदेही के साथ नशे के विरुद्ध अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में नशे के विरुद्ध लड़ाई को केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित न रखकर व्यापक जन-आंदोलन बनाया जा रहा है।



पिछले चार वर्षों में प्रदेश में 7,950 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए तथा 12,302 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 1,384 किलोग्राम चरस और 59 किलोग्राम चिट्टा सहित बड़ी मात्रा में अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। वर्ष 2023 में पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम लागू होने के बाद अब तक 225 कुख्यात तस्करों को निरुद्ध किया गया, जिनमें 159 को वर्ष 2026 में निरुद्ध किया गया है। इस अधिनियम के तहत निरोधात्मक कार्रवाई में हिमाचल प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है।

प्रदेश सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में नशे के अवैध कारोबार से अर्जित लगभग 92 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं। पहली बार प्रदेश में नशे से अर्जित 48 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति सरकार के नाम स्थानांतरित हुई है। इसके अतिरिक्त एनडीपीएस आरोपियों द्वारा सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण से संबंधित 86 संपत्तियों की पहचान की गई है, जिनमें से 22 के विरुद्ध ध्वस्तीकरण एवं बेदखली की कार्रवाई पूरी की जा चुकी है। प्रदेश की 246 अत्यधिक नशा प्रभावित पंचायतों को चिन्हित कर विशेष निगरानी में रखा गया है।

जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के तहत 850 करोड़ के विकास कार्य प्रगति पर: रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री ने टुटूपानी-नालावन संपर्क सड़क का किया भूमि पूजन

हिन्द जनपथ

शिमला : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने मंगलवार को नावर क्षेत्र के प्रवास के दौरान विभिन्न निर्माणाधीन विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया तथा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

कुठाड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 850 करोड़ रुपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिनका क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की भाग्य रेखाएं हैं। नावर क्षेत्र में बागवानी और पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए सड़क सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण विशेष महत्व रखता है। इसी दिशा में विधानसभा क्षेत्र में अब तक 209 सड़कों की सफल पासिंग की गई है।

7.60 करोड़ से निर्माणाधीन उमलाडवार-गाहलून-कड़ीवन संपर्क सड़क का किया निरीक्षण

रोहित ठाकुर ने नाबार्ड के अंतर्गत निर्माणाधीन उमलाडवार-गाहलून-कड़ीवन संपर्क सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण लगभग 7 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसका करीब 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने गाहलून क्षेत्र के लोगों को पेयजल योजना के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने का आश्वासन भी दिया।



8.62 करोड़ से बनने वाली टुटूपानी-नालावन संपर्क सड़क का किया भूमि पूजन

शिक्षा मंत्री ने टुटूपानी-नालावन संपर्क सड़क का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क की लंबे समय से मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। सड़क का निर्माण लगभग 8 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा बागवानी और अन्य गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

27 नवंबर को प्रदेशभर में होगा सिविल डिफेंस एयर रेड एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में सिविल डिफेंस की तैयारियों को परखने और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता का आकलन करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार द्वारा 27 नवंबर, 2026 को रात 8:00 बजे प्रदेशभर में सिविल डिफेंस एयर रेड एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा।

ये मॉक ड्रिल भारत सरकार के गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जाएंगी।

यह अभ्यास एयर रेड चेतावनी संकेत के साथ शुरू होगा। इसके तहत दो मिनट तक उतार-चढ़ाव वाली आवाज में सायरन बजाया जाएगा। इस दौरान संबंधित डिप्टी कमिश्नर-कम-कंट्रोलर, सिविल डिफेंस द्वारा चिन्हित किए गए विशेष क्षेत्रों में मॉक ब्लैकआउट अभ्यास किया जाएगा। इन क्षेत्रों के निवासियों को निर्देश दिए गए हैं कि ब्लैकआउट के दौरान सभी गैर-जरूरी लाइटें बंद रखें। हालांकि, इस अवधि में आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी।

मॉक ड्रिल का समापन 'ऑल क्लियर' संकेत के साथ होगा। इसके तहत दो मिनट तक लगातार तेज आवाज में सायरन बजाया जाएगा, जो अभ्यास की औपचारिक समाप्ति का संकेत होगा।

इस अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता का आकलन करने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें आग बुझाने के अभियान, खोज एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सा सहायता, घायलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना तथा यातायात एवं भीड़ नियंत्रण के उपाय शामिल होंगे।

आम जनता से अपील की गई है कि इस मॉक ड्रिल के दौरान किसी भी प्रकार की घबराहट न करें। यह सिविल डिफेंस की तैयारियों, विभिन्न एजेंसियों के आपसी समन्वय और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया जा रहा एक नियमित अभ्यास है।

भाजपा के (अ)भूतपूर्व महासचिव ने नुक्कड़ नाटक से नशे पर प्रहार, बुड़ैल में युवाओं ने दिया नशामुक्त चण्डीगढ़ का संदेश

चण्डीगढ़ : भाजपा के (अ)भूतपूर्व महासचिव संजीव राणा ने नशे के विरुद्ध वृहद अभियान छेड़ा हुआ है।

युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'जेन ज़ी अगेंस्ट ड्रग्स – फेज 3' अभियान के तहत सेक्टर-45 स्थित बुड़ैल में स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।



नाटक के माध्यम से नशे के कारण व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए लोगों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

नुक्कड़ नाटक में कोमलप्रीत, संचिता, सृष्टि, शिवानी, खुशी, सिया एवं रिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के आयोजन में मंजू कालिया, अनिल कुमार एवं हरप्रीत कौर का विशेष सहयोग रहा।

स्वयंसेवकों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से युवाओं को नशे के विरुद्ध आवाज उठाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। 'जेन ज़ी अगेंस्ट ड्रग्स' अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत 31 दिसंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में भव्य 'भजन क्लबिंग – ए स्पिरिचुअल म्यूजिकल कॉन्सर्ट' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक गजेंद्र प्रताप सिंह विशेष प्रस्तुति देंगे। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं राष्ट्रभक्ति से जोड़ते हुए नववर्ष 2027 का स्वागत नशामुक्ति के संकल्प के साथ करना है। इसी उद्देश्य को लेकर शहर में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 40 के विद्यार्थियों ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर लंगर का आयोजन किया



चण्डीगढ़ : श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ लंगर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवकों एवं स्टूडेंट काउंसिल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा भाव से लंगर वितरण में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेम सिंह खिमटा तथा मैनेजमेंट के प्रबंधक अनिल अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रबंधक समिति के

प्रधान ध्रुव कांत शुक्ला ने विद्यार्थियों के सेवा कार्य की सराहना की और उन्हें गुरु नानक देव जी के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, समानता, आपसी भाईचारे और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में निःस्वार्थ सेवा एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। 'नाम जपो, किरत करो और वंड चखो' के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सक्षम पंचायत और जवाबदेह नगरपालिका ही विकसित हरियाणा की मजबूत नींव: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सक्षम पंचायतें और जवाबदेह नगरपालिकाएं ही विकसित हरियाणा की मजबूत नींव हैं। सरकार का लक्ष्य स्थानीय निकायों को केवल प्रशासनिक इकाई तक सीमित रखने के बजाय उन्हें अधिकारों, क्षमताओं और अपने वित्तीय संसाधनों से युक्त प्रभावी स्थानीय सरकार के रूप में विकसित करना है।



मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गुरुग्राम में पंचायतों और नगरपालिकाओं को सशक्त बनाने के विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं ने अपने अनुभव, नवाचार और सफल प्रयोग साझा किए हैं। दो दिनों के गहन विचार-विमर्श से स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने का व्यावहारिक रोडमैप तैयार हुआ है। यह सम्मेलन स्थानीय स्वशासन की नींव मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत सचिवालयों की फाइलों में नहीं, बल्कि गांव की गलियों और शहरों के मोहल्लों में बसती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का सपना देखा था और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का विराट लक्ष्य देश के सामने रखा है। इन दोनों लक्ष्यों की प्राप्ति का रास्ता गांव की चौपाल और शहर के वार्ड से होकर गुजरता है। विकसित भारत की भव्य इमारत की नींव पंचायतों और वार्डों में ही रखी जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 साल में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के 50 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है जो विश्व स्तर पर एक रिकॉर्ड है।

स्थानीय निकायों की वित्तीय आत्मनिर्भरता जरूरी: मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में तीन महत्वपूर्ण विषयों- राजस्व जुटाना एवं वित्तीय आत्मनिर्भरता, स्वायत्तता एवं जवाबदेही तथा प्रभावी सेवा वितरण एवं समावेशी भागीदारी पर विस्तार से चर्चा हुई है। इसके अनुरूप कोई भी सरकार तभी स्वतंत्र और प्रभावी निर्णय ले सकती है, जब उसका वित्तीय आधार मजबूत हो।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने पंचायतों को सीधे वित्तीय संसाधन हस्तांतरित करने की पारदर्शी व्यवस्था बनाई है। इसके अलावा स्टाम्प शुल्क और बिजली उपभोग के अंश से पंचायतों की नियमित आय सुनिश्चित की गई है। शहरी स्थानीय निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पूंजीमूल्य आधारित संपत्तिकर प्रणाली लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपनी साझा भूमि, तालाबों और सामुदायिक संपत्तियों को आय के स्थायी स्रोत के रूप में विकसित करें। वहीं, नगरपालिकाएं सरल और प्रभावी कर संग्रहण व्यवस्था अपनाकर अपनी वित्तीय क्षमता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि अनुदान से काम चलता है, लेकिन अपनी आय से भविष्य बनता है।

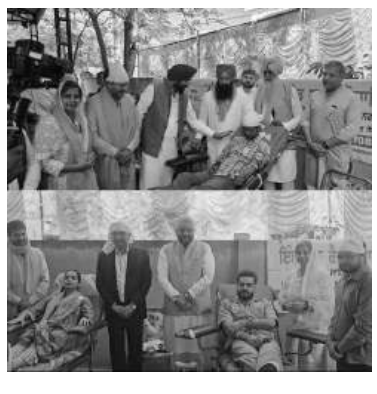
वार्ड नंबर 32 में आप पार्टी के नए चुनाव कार्यालय का पार्टी अध्यक्ष विजयपाल सिंह ने उद्घाटन, सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग पहुंचे

चण्डीगढ़ : चण्डीगढ़ नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी ने वार्ड नंबर 32 में अपना मुख्य चुनाव कार्यालय खोलकर चुनावी अभियान को गति दे दी है। सेक्टर-44 स्थित बूथ नंबर 43, चैतन्य अस्पताल के सामने नए कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय का उद्घाटन आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के अध्यक्ष विजयपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर पार्टी की कोर कमेटी के चेयरमैन प्रेम गर्ग,पार्षद हरदीप सिंह, उपाध्यक्ष दीपा दुबे सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सैंकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। नए कार्यालय की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे आपस में संवाद कर सकें, स्थानीय समस्याओं पर चर्चा कर सकें और जनता से जुड़े मुद्दों को संबंधित मंच तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम कर सकें। उद्घाटन के बाद वार्ड नंबर 32 से आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार अरुण प्रभा खुर्चा ने अपने मुख्य चुनाव कार्यालय शुरू कर दिया। कार्यालय खुलते ही सुबह से ही समर्थकों और स्थानीय लोगों का पहुंचना शुरू हो गए। लोगों की बढ़ती आवाजाही से क्षेत्र में चुनावी माहौल गरमाता नजर आया।इस मौके पर उम्मीदवार अरुण प्रभा खुर्चा ने नगर निगम चुनाव को लेकर अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। वार्ड नंबर 32 के अंतर्गत सेक्टर-44 और सेक्टर-51 के क्षेत्र आते हैं। इन इलाकों में उन्हें लोगों का अच्छा समर्थन और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी नगर निगम चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ रही है। पार्टी को उम्मीद है कि चंडीगढ़ के सभी 35 वार्डों में उसके उम्मीदवार अच्छे मतों से जीत हासिल करेंगे और नगर निगम में आम आदमी पार्टी का मेयर बनेगा।अरुण प्रभा खुर्चा ने वार्ड के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे आगामी 23 दिसंबर, बुधवार को आम आदमी पार्टी के चुनाव चिन्ह झाड़ू पर मतदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद और समर्थन दें।



प्रकाश पर्व पर मानवता की सेवा का अनूठा संदेश : आरआर इनिशिएटिव का रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

मोहाली : श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर आयोजित चौथे रक्तदान शिविर में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल, न्यू चण्डीगढ़ की टीम ने रक्त एकत्रित किया। गुरुद्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी, सन्नी एन्क्लेव, खरड़ में आयोजित शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा के इस कार्य में योगदान दिया।



शिविर में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, मोहाली की प्रो. अध्यक्ष रैनरीटा दचलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने मानव सेवा को ही परम सेवा का संदेश दिया है। रक्तदान से बड़ी सेवा कोई नहीं हो सकती, क्योंकि रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवन देने का माध्यम बनता है। उनके अलावा भाजपा पंजाब के उपाध्यक्ष सरदार रंजीत सिंह गिल एवं जतिंदर मित्तल, भाजपा मोहाली जिला अध्यक्ष संजीव वशिष्ट, भाजपा पंजाब के कोषाध्यक्ष सुखविंदर सिंह गोल्डी, प्रदेश सचिव भानु प्रताप राणा और भाजपा महिला मोर्चा मोहाली की अध्यक्ष प्रीती राणा सहित विश्वास फाउंडेशन एवं विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। शिविर में पहली बार रक्तदान करने वाली युवती रेवा भी विशेष रूप से प्रेरणास्रोत बनी। उसके इस कदम ने युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान राजिंदर सिंह ने सभी अतिथियों का सिरोपा भेंटकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। आर आर इनिशिएटिव की संस्थापक नवनीत कौर ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों तथा सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

भाजपा-अकाली दल (बादल) का गठबंधन पंजाबियों को फिर से बेवकूफ बनाने के लिए 'ठग जोड़' है, यह पंजाब बचाने के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक परिवारों और उनकी कुर्सियों के लिए गठबंधन है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में घोषित पंजाब विरोधी भाजपा-अकाली दल (बादल) गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए इसे राजनीतिक परिवारों को बचाने और खोई हुई सत्ता वापस पाने के लालच से प्रेरित 'ठग जोड़' करार दिया, न कि पंजाब के हितों के लिए। दोनों पार्टियों के राजनीतिक विरोधाभासों पर रोशनी डालते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि कैसे बादलों ने शुरू में तीन काले कृषि कानूनों का समर्थन किया और बाद में जब किसान आंदोलन को वैश्विक समर्थन मिला तो अपना रुख बदल दिया, जबकि इस आंदोलन के दौरान 750 किसानों ने अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि पंजाबी 2007-2017 के अकाली-भाजपा राज के दौरान हुए 'चिट्टे' के कहर और 'बेअदबी' की घटनाओं को, या चंडीगढ़, पंजाब के पानी और सिख संस्थाओं पर भाजपा के स्टैंड को कभी नहीं भूलेंगे।

उनकी मौकापरस्त राजनीति की तुलना 20 साल के नाकाम शासन की तुलना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि आप का गठबंधन पंजाब के 3.25 करोड़ लोगों, किसानों, 'माताओं और बेटियों', युवाओं और आम परिवारों के साथ है, जिनके पास मुफ्त बिजली, नहर का पानी, बेहतर हेल्थकेयर सुविधाएं, अच्छी शिक्षा और बिना रिश्वत के 78,000 से ज़्यादा सरकारी नौकरियां हैं। उन्होंने दोहराया कि आप अपनी सरकार



की कामयाबियों को हर घर तक ले जाएगी और लोगों को धर्म या जाति के आधार पर बांटे बिना साकारात्मक राजनीति करेगी।

X पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "भाजपा-अकाली दल का गठबंधन पंजाब के लिए नहीं है, बल्कि यह अपने राजनीतिक परिवारों को बचाने और अपनी कुर्सी बचाने के लिए बनाया गया एक 'ठग जोड़' है। जो लोग कल तक तीन कृषि कानूनों, पंजाब के पानी के अधिकार, चंडीगढ़ और सिख संस्थाओं पर एक-दूसरे की बुराई कर रहे थे, वे अब सत्ता के लालच में फिर से एक साथ आ गए हैं। सभी पुराने राजनीतिक नेता जिन्होंने 20 साल तक आपस में 'नूरा कुश्ती' खेली, वे अब एक ही मंच शेयर कर रहे हैं। लेकिन पंजाब के लोग 2007-2017 की अकाली-भाजपा सरकार के दौरान ड्रग्स की बुराई और बेअदबी की घटनाओं को कभी नहीं भूल सकते। आम आदमी पार्टी का गठबंधन पंजाब के सिर्फ 3.25 करोड़ लोगों के साथ है। मुफ्त बिजली, नहर का पानी, मोहल्ला क्लीनिक, स्कूल ऑफ एमिनेंस और बिना रिश्वत के सरकारी नौकरियां हमारी पॉजिटिव पॉलिटिक्स की पहचान हैं। पंजाब के लोग इस 'ठग जोड़' को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।"

पंजाबियों को सीधा संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "पंजाबियों, आखिरकार भाजपा और अकाली दल ने गठबंधन बना लिया है। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि इन पार्टियों ने एक-दूसरे के बारे में क्या कहा था और कैसे उन्होंने बार-बार लोगों को बेवकूफ बनाने का बीड़ा उठाया है। उन्हें लगता है कि लोग बेवकूफ हैं और कुछ समय बाद सब कुछ भूल जाते हैं। हम उन्हें याद दिला दें कि पंजाबी सब कुछ याद रखते हैं।"

तीन कृषि कानूनों का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "शुरू में पूरा बादल परिवार इन कानूनों के पक्ष में बोलता रहा। वे बार-बार कहते रहे कि ये बहुत अच्छे कानून हैं और इनसे पंजाब की खेती को बहुत फ़ायदा होगा।"

पावन दिन पर पंजाब को नशा और गैंगस्टर मुक्त व चढ़दीकला वाला पंजाब बनाने के पावन लक्ष्य बनाने के भाजपा और अकाली गठजोड़ हुआ : तरुण चुग

हिन्द जनपथ

अमृतसर/चंडीगढ़ - भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने आज श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर अमृतसर के रणजीत एवेन्यू स्थित गुरुद्वारा साहिब छठी पातशाही में माथा टेककर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और पंजाब की सुख-समृद्धि एवं चढ़दी कला के लिए अरदास की।



इस अवसर पर तरुण चुग ने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल पंजाब की भलाई, तरक्की और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं। दोनों दलों ने पंजाब को नशों, गैंगस्टरवाद, रंगदारी और अपराध के शिकंजे से मुक्त कराने तथा प्रदेश को विकास और खुशहाली के मार्ग पर आगे ले जाने का संकल्प लिया है।

चुग ने कहा कि आज हम गुरु महाराज के दरबार में शुक्राना करने, उनका आशीर्वाद लेने और पंजाब की चढ़दी कला के लिए अरदास करने आए हैं। हमारी प्रार्थना है कि गुरु महाराज पंजाब को नशों, गैंगस्टरों और अन्य सामाजिक बुराइयों से मुक्ति दिलाने के इस संकल्प को पूरा करने की शक्ति और आशीर्वाद प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि पंजाब को अब 'उड़ता पंजाब' नहीं, बल्कि 'उभरता पंजाब' बनाना है। ऐसा पंजाब बनाना है जो नशा मुक्त हो, गैंगस्टर मुक्त हो, रंगदारी मुक्त हो और विकास एवं खुशहाली के नए कीर्तिमान स्थापित करे। तरुण चुग ने विश्वास व्यक्त किया कि पंजाब में डबल इंजन की सरकार बनेगी और 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशा एवं गैंगस्टर मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जाएगा।

भाजपा और अकाली दल के संबंधों पर पूछे गए सवाल के जवाब में चुग ने कहा कि भाई तो भाई होता है। भाई के बीच खून का रिश्ता होता है। दोनों दलों के बीच पंजाबियत की खुशबू और पंजाब के प्रति समर्पण की भावना है।

गुरदासपुर और बटाला में दो दिवसीय विशेष तलाशी अभियान चलाया; 248 व्यक्ति गिरफ्तार, 1.9 किलोग्राम हेरोइन बरामद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब में कानून-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और नशों के खात्मे के लिए गुरदासपुर और बटाला जिलों में दो दिवसीय विशेष 'घेराबंदी एवं तलाशी अभियान' (कासो) चलाया गया। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर रविवार और सोमवार को चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशों और अवैध हथियारों की तस्करी पर रोक लगाना तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना है। संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इस अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे।

दो दिनों तक चले इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 280 वांछित अपराधियों से जुड़े 53 संवेदनशील ठिकानों पर छापेमारी की और 248 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 1.9 किलोग्राम हेरोइन, 1,500 रुपये की ड्रग मनी और तीन पिस्तौल भी बरामद किए। विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) प्रवीण सिन्हा, जो स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं, ने बताया कि इस विशेष मुहिम का उद्देश्य पूरे आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश कर उसे पूरी तरह ध्वस्त करना है। इसके तहत नेटवर्क में शामिल अपराधियों, उनके सहयोगियों, सप्लायरों, नशा खरीदने वालों, वित्तीय सहायता देने वालों, मददगारों और अपराधियों को पनाह देने वालों की पहचान करने के साथ-साथ उनके छिपने के ठिकानों का पता लगाकर वांछित अपराधियों को कानून के अनुसार गिरफ्तार करना सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष डीजीपी ने कहा कि विशेष घेराबंदी एवं तलाशी अभियान आगे भी जारी रहेंगे और राज्य के शेष जिलों में इन्हें चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए प्रत्येक जिले को अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध करवाया जाएगा। इस दौरान पंजाब पुलिस ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' को 633वें दिन भी जारी रखा। आज 153 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 14.3 किलोग्राम हेरोइन, 4.9 किलोग्राम अफीम, 288 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 4,100 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा सुखपाल सिंह के साथ रू-ब-रू कार्यक्रम आयोजित

चण्डीगढ़ : चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी (सीएसए) की ओर से आज रानी लक्ष्मी बाई भवन, सेक्टर-38 में अकादमी के चेयरमैन डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में साहित्यिक संवाद शृंखला 'रू-ब-रू' के अंतर्गत कनाडा निवासी प्रसिद्ध लेखक एवं कवि सुखपाल सिंह के साथ एक साहित्यिक बातचीत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान साहित्य, भाषा, संवेदना और सृजनात्मकता के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात लेखक सरदार गुरदेव चौहान ने की। कार्यक्रम का संचालन जगदीप सिद्धू ने अपने प्रभावशाली और साहित्यिक अंदाज़ में किया। चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के वाइस चेयरमैन डॉ. अनीश गर्ग ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सुखपाल की साहित्यिक यात्रा, उनकी सृजनात्मक उपलब्धियों और कनाडा की धरती पर रहते हुए भी पंजाबी भाषा एवं संस्कृति के प्रति उनके गहरे लगाव की सराहना की।

डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि साहित्यकार की पहचान भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसकी लेखनी की संवेदनशीलता, विचारों की गहराई और समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से बनती है। सुखपाल सिंह की सृजनात्मक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा साहित्य दुनिया के किसी भी कोने में रहकर रचा जा सकता है।

साहित्यिक संवाद के दौरान सुखपाल सिंह ने अपनी चर्चित पुस्तकों 'चुप चुपीते चेतर चढ़िया', 'रहणु कथाऊ नाहि' और 'ऐस जनम न जनमे' के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपनी रचनाओं के पीछे छिपी अनुभूतियों, विचार-प्रक्रिया और साहित्यिक दृष्टिकोण को श्रोताओं के साथ साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी चुनिंदा कविताओं का पाठ भी किया, जिसने उपस्थित साहित्य प्रेमियों को भावनाओं, विचारों और भाषा की एक सुंदर साहित्यिक यात्रा से जोड़ दिया। कार्यक्रम के दूसरे भाग में गुरुपर्व को समर्पित कवि दरबार का आयोजन भी किया गया, जिसे श्रोताओं की भरपूर सराहना मिली।

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने किया CRRID के कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (CRRID), चंडीगढ़ द्वारा 24 नवंबर, 2026 को अपने कॉन्फ्रेंस हॉल के उद्घाटन के उपलक्ष्य में 'शुभारंभ' समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत के गायन के साथ हुई।



इस अवसर पर पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित कॉन्फ्रेंस हॉल का औपचारिक उद्घाटन किया। यह हॉल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है तथा इसमें 100 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पंजाब की पूर्व मुख्य सचिव एवं CRRID की गवर्निंग बॉडी की चेयरपर्सन श्रीमती विनी महाजन ने संस्थान के दशकों पुराने शैक्षणिक योगदान, नीतिगत परामर्श कार्यों तथा क्षमता निर्माण से जुड़े प्रयासों पर प्रकाश डाला।

राज्यसभा सांसद, ट्राइडेंट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं CRRID की गवर्निंग बॉडी के सदस्य श्री राजिंदर गुप्ता ने अपने संबोधन में CRRID के साथ अपने लंबे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए व्यापक कार्यों, विशेष रूप से विभिन्न प्रासंगिक सामाजिक मुद्दों एवं विषयों पर किए गए शोध तथा खुले शैक्षणिक संवाद के लिए उपलब्ध कराए गए मंच की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि CRRID समाज और देश के हित में सामाजिक अनुसंधान के क्षेत्र में अपना योगदान निरंतर जारी रखेगा।

CRRID सोसाइटी के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री प्रो. मुरली मनोहर जोशी ने संस्थान के कार्यों और इससे जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान भविष्य में निरंतर प्रगति करेगा और देश के व्यापक सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित कॉन्फ्रेंस हॉल देश के इतिहास और विरासत को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह स्थान शैक्षणिक विमर्श और विचारों के आदान-प्रदान के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा, जिससे विकसित होने वाले नए विचारों और चर्चाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति और जमीनी स्तर तक पहुंच सकेगा।

अपने उद्घाटन संबोधन में पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने CRRID को उत्तर भारत का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक केंद्र बताया। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'किरत करो, वंड छको और नाम जपो' के सिद्धांतों के माध्यम से मानवीय दृष्टिकोण के साथ समग्र विकास का संदेश दिया।

जीएमएस, से. 28 में लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन, बच्चों ने सीखी कविता और कहानी लेखन की बारीकियां

चण्डीगढ़ : गवर्नमेंट मॉडल स्कूल, सेक्टर 28-डी में आज लिटरेचर फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. अनीश गर्ग मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. गर्ग ने कविता लेखन एवं साहित्य सृजन पर आयोजित कार्यशाला में अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों को कविता और कहानी लिखने की बारीकियां सिखाईं। उन्होंने बच्चों को बताया कि अच्छी रचना केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि भाव, अनुभव और अभिव्यक्ति का सुंदर समन्वय है।



आयोजन समिति के सदस्य अध्यापक पी. के. राव ने कहा कि डॉ. अनीश गर्ग ने अत्यंत प्रभावी और रोचक ढंग से बच्चों को वाक्य विन्यास, लयबद्धता और तुकांत का अभ्यास कराया। बच्चों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और मौके पर ही छोटी-छोटी कविताएं भी लिखीं।

इस अवसर पर डॉ. गर्ग ने बताया कि चंडीगढ़ साहित्य अकादमी (सीएसए) में बाल पुरस्कार शुरू किया गया है, जिसमें चंडीगढ़ के बच्चों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन में स्कूलों में ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से शहर में साहित्य का वातावरण तैयार किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़ सके। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने डॉ. अनीश गर्ग का आभार व्यक्त किया

संपादकीय

आभासी दुनिया के सम्मोहन गोरा होने की चाह में खराब हो रही है किडनी

आभासी दुनिया के सम्मोहन से मुक्त होकर अपने व्यक्तित्व की कद्र करने और भ्रम के प्रचार के असर में आने से बचने की जरूरत है, भले ही किसी भी क्षेत्र की कोई जानी-मानी हस्ती उसका इस्तेमाल करने की वकालत कर रहा हो। सोशल मीडिया के असर में हो रहे कुछ नुकसानों को लेकर खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं, लेकिन इसके बारे में देखने-जानने के बावजूद इस आभासी दुनिया के संजाल में कई लोग उलझ जाते हैं। वे इस पर प्रचारित कुछ संदेशों को सच मान लेते हैं, हालांकि इसके एवज में उन्हें गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है।गौरतलब है कि केरलम के मलप्पुरम में एक किशोरी ने सोशल मीडिया के एक 'इन्फ्लूएंसर' के प्रचार से प्रभावित होकर गोरा बनाने वाली क्रीम खरीद कर इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन कुछ समय बाद वह गुर्दे की गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो गई। दरअसल, समस्या शुरू होने के बाद जब किशोरी ने इलाज शुरू किया, तब पता चला कि उसके खून और शरीर में पारा की मात्रा खतरनाक स्तर तक बढ़ गई थी।उसके चिकित्सक ने बताया कि क्रीम की जांच में पारे की मात्रा 12.500 पीपीएम पाई गई, जबकि इसकी स्वीकार्य सीमा एक पीपीएम से कम है। चिकित्सकों के मुताबिक, विस्तृत जांच के निष्कर्षों से पता चला कि पारा-युक्त क्रीम के उपयोग से किशोरी को गुर्दे की बीमारी हो गई।यह मामला आम लोगों के मानस पर सोशल मीडिया के प्रभावों का महज एक उदाहरण है कि आज कुछ लोग किस तरह नाहक ही किसी बात पर हीन भावना का शिकार हो जाते हैं। मसलन, गोरा होने को बेहतर मानने की ग्रंथि हमारे समाज में व्यापक स्तर पर पाई जाती रही है। इसी भूख का लाभ वैसी कंपनियां उठाती हैं, जो अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत को भी दांव पर लगाने से बाज नहीं आतीं।केरलम की घटना में गोरा बनाने वाली क्रीम में जिस तरह एक खतरनाक रसायन मिला हुआ पाया गया, वह खुले बाजार में उपलब्ध कैसे था? क्या इस तरह के उत्पादों की प्रयोगशाला जांच जैसी कोई व्यवस्था काम करती है, ताकि आम लोगों को इसके असर के बारे में आगाह किया जा सके? सोशल मीडिया पर असर रखने वाला कोई व्यक्ति अगर किसी उत्पाद का सार्वजनिक बखान करता है, तो क्या उसे इससे होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी भी नहीं लेनी चाहिए?

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

(ललित गर्ग)

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। 19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।



यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है। उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है। प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए। भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है। आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मातृत्व अवकाश खत्म होने के छह महीने में 25 फीसद महिलाएं छोड़ देती हैं नौकरी

(मोनिका शर्मा)

मातृत्व की जिम्मेदारी का सबसे अधिक बोझ कामकाजी महिलाओं पर पड़ता है। मां बनने के बाद उन्हें नौकरी, करियर और पारिवारिक दायित्वों के बीच संतुलन बनाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं को परिवार और कार्यस्थल दोनों जगह सहयोग मिलना जरूरी है, ताकि वे मातृत्व के साथ अपने करियर को भी जारी रख सकें। अभिभावक बनने का मान और सुख स्त्री-पुरुष दोनों के हिस्से आता है। परिवार आगे बढ़ने पर दायित्वों के निर्वहन की जिम्मेदारी भी साझा होती है। बावजूद इसके पुरुषों की तुलना में महिलाओं का जीवन अधिक जटिल हो जाता है। कामकाजी महिलाएं बदलाव की इन परिस्थितियों का सबसे अधिक सामना करती हैं।

सामाजिक-पारिवारिक विषयों से जुड़े अध्ययन भी इस बात की तस्दीक करते हैं। मातृत्व की जिम्मेदारी के कारण बहुत-सी महिलाओं का कामकाजी दुनिया से दूर हो जाना भी किसी से छिपा नहीं है। हाल में आई 'ग्लोबल हायरिंग ऐंड पेरोल प्लेटफार्म' की एक रिपोर्ट के अनुसार, मातृत्व अवकाश समाप्त होने के छह महीने के भीतर पच्चीस फीसद भारतीय महिलाएं अपनी नौकरी छोड़ देती हैं। वहीं, पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा बीस फीसद है। इस रिपोर्ट में दुनिया भर की बारह अहम अर्थव्यवस्थाओं के करीब पांच हजार माता-पिता के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। विश्लेषण में सामने आया कि कामकाजी माता-पिता के लिए अवकाश की नीतियां कागजों पर समान एवं उदार प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक धरातल पर स्थितियां भिन्न हैं।



नियमों का असल में महिलाओं और पुरुषों को बराबर लाभ नहीं मिलता। इसका सीधा असर मां बनने के बाद महिलाओं के काम पर लौटने की स्थितियों पर पड़ता है। उच्च शिक्षित युवतियों के बढ़ते आंकड़ों के बीच स्त्री जीवन का यह ठहराव वास्तव में विचारणीय है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में 98.7 फीसद माताएं मातृत्व अवकाश की अपनी पूरी छुट्टियां एक ही बार में लेती हैं और यह आंकड़ा इस अध्ययन में शामिल बारह देशों में सबसे अधिक है। कामकाजी दुनिया में खुद को साबित कर रहीं बहुत-सी महिलाओं के लिए इस लंबे अवकाश के बाद वापसी आसान नहीं होती। जटिल परिस्थितियों के कारण हर वर्ष महिलाओं की बड़ी आबादी देश की श्रम शक्ति से बाहर हो जाती है। कुछ साल पहले हुए एक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 72 फीसद महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी से कुछ समय के लिए दूर रहती हैं। इतना ही नहीं, मात्र पंद्रह फीसद महिलाएं ही नौकरी में सेवानिवृत्ति की उम्र तक पहुंच पाती हैं। हालांकि एक अंतराल के बाद कुछ महिलाएं नौकरी में वापसी करती हैं, पर तकरीबन पचास फीसद माताएं मातृत्व की जिम्मेदारियां निभाने के लिए अपने कामकाजी जीवन पर हमेशा के लिए विराम लगा देती हैं। वर्तमान में हर क्षेत्र में अपनी जगह बना रही महिलाओं का कामकाजी मोर्चे पर यों पीछे छूट जाना भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया के अधिकतर देशों के सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का कटु सच है। आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, सिंगापुर, स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका को लेकर किया गया हालिया अध्ययन भी बताता है कि ब्रिटेन में भी मातृत्व अवकाश का आर्थिक असर महिलाओं पर ज्यादा पड़ता है। वहां चार महीने से ज्यादा छुट्टी लेने वाली महिलाओं का वेतन सामान्य के आधे से भी कम रह जाता है। इतना ही नहीं, बच्चे के जन्म के बाद पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन का अंतर भी बढ़ जाता है। इस तरह की स्थितियां कई बार महिलाओं को नौकरी के बजाय पारिवारिक जिम्मेदारियों को चुनने के लिए बाध्य कर देती हैं। एक मां को ऐसे बहुत से फैसले करने पड़ते हैं, जिस पर बच्चे का भविष्य और सेहत निर्भर होती है। भारतीय समाज में मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही बहुत-सी महिलाओं को अपनों से कोई खास सहयोग भी नहीं मिल पाता। परिवारों के छोटे होने का एक कारण यह भी है। पिछले कुछ वर्षों से देश में इकलौते बच्चों वाले परिवारों का आंकड़ा बढ़ रहा है। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वेक्षण के मुताबिक 35 फीसद कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। ग्लोबल हायरिंग ऐंड पेरोल प्लेटफार्म की रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में माताएं औसतन एक सौ तीस कामकाजी दिन यानी करीब छब्बीस सप्ताह की छुट्टी लेती हैं, जबकि पिता को औसतन सिर्फ सात दिन की छुट्टी मिलती है। यानी अध्ययन में शामिल सभी बारह देशों में भारतीय पिता सबसे कम पितृत्व अवकाश लेने वाले हैं। ऐसे में माताओं की काम पर वापसी के लिए पिता का सहयोग भी बढ़ना चाहिए। पांच से बारह साल की उम्र के बच्चों की माताओं से जुड़े अमेरिकी सर्वेक्षण के अनुसार, बच्चे को पालना पूर्णकालिक नौकरी से कम नहीं है। चालीस फीसदी माताएं अपनी जिंदगी में कभी न खत्म होने वाले कार्यों के दबाव से गुजरती हैं। ऐसे में परंपरागत ढांचे वाले भारतीय सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में माताओं की व्यस्तता को समझना मुश्किल नहीं है।

वर्ग पहेली 6283



संकेतः बाएं से दाएं
1. 29 सितंबर 1650 को इस देश में पहले मैरिज ब्यूरो की शुरूआत हुई (3)
3. एक निषाध जिसने गुरू द्रोणाचार्य की मूर्ति को गुरू मानकर शास्त्राभ्यास किया और पारंगत हुआ (4)
5. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
7. मार्ग, रास्ता, कटखरा (2)
10. नारी का अपभ्रंश, नर का आध्यात्मिक (2)
11. प्रतिष्ठा, इज्जत, आबरू (2)
13. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
14. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्व हानि (उर्दू)(5)
15. जल की बूंद, पसीने की बूंद, राजस्थान का एक शहर (3)
16. गुलाम, नौकर, सेवक (2)
17. समाधि, कब्र (उर्दू)(3)
19. देखने वाला, दर्शक, एक कर्मचारी (उर्दू) (3)
21. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम (4)
22. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (उर्दू) (1)

ऊपर से नीचे
1. यह सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्म स्थली है (3)
2. भयभीत होना, खौफजदा होना (3)
3. भरोसा करना, विश्वास करना (7)
4. छल, धोखा, बनावटी व्यवहार (3)
5. बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके केशलता (2)
8. मानता, मनौति, संकल्प (3)
10. व्यर्थ, बेफिजूल, बेमतलब (3)
11. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस (4)
12. उत्तम, सर्वश्रेष्ठ, बढ़िया (उर्दू)(3)
13. शासन, अवधि, राज्यकाल (4)
15. आदत, स्वभाव, अख्लाक, सवानेह उम्री (उर्दू) (3)
18. मकड़ी द्वारा बुना हुआ जाल (2)
20. चर्चा, प्रसंग, संक्षिप्त कथन (2)

वर्ग पहेली 6282 का हल

भ	ग	त	सिं	ह		र	द
रो	ज		ह	म	स	फ	री
से		र		शौ	क		वा
में		ह	ला	ह	ल		
द	र	मा		र		दा	सी
	म	न	का		पा	व	न
प्रा	णी		हि	दा	य	त	
क	क	ह	स		ल		पी

मातृशोक में राजधर्म की अडिग साधना

(के. विश्वदेव राव)

सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत पीड़ा और संवैधानिक दायित्वों के बीच संतुलन साधना अत्यंत दुष्कर कार्य है। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी स्थितप्रज्ञ क्यों न हो, एक पुत्र के रूप में अपनी जन्मदात्री मां के निधन की सूचना पाकर विचलित हुए बिना नहीं रह सकता। मां का जाना सृष्टि का सबसे बड़ा शून्य है, जिसकी भरपाई कोई सत्ता, कोई पद या कोई भी लौकिक उपलब्धि नहीं कर सकती। लेकिन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी माता सावित्री देवी जी के निधन के बाद जिस अकल्पनीय धैर्य, संयम और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है, वह न केवल विह्वल करने वाला है, बल्कि राजधर्म के पालन की ऐसी कालजयी मिसाल बन गया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां आदर के साथ याद रखेंगी।गोरखपुर की धरती बीते शुक्रवार को एक ऐसे क्षण की साक्षी बनी, जिसने हर संवेदनशील मनुष्य के अंतर्मन को झकझोर कर रख दिया। मुख्यमंत्री वहां चंपा देवी पार्क में 50 हजार विद्यार्थियों के लिए आयोजित टैबलेट वितरण समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्सवी और उत्साहपूर्ण था। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा रही थी, मुख्यमंत्री अपने हाथों से विद्यार्थियों को टैबलेट के रूप में उनके सपनों के पंख सौंप रहे थे। उन्होंने पूरे उत्साह से युवाओं को संबोधित किया, उन्हें करियर संवारने का गुरुमंत्र दिया। लेकिन, नियति को शायद इसी क्षण एक योगी की सबसे कठिन परीक्षा लेनी थी। जैसे ही उनका ओजस्वी संबोधन समाप्त हुआ और वह मंच से उतरकर विद्यार्थियों के बीच जाने के लिए आगे बढ़े, उन्हें वह सूचना मिली जो किसी भी इंसान को झकझोर देने के लिए काफी होती है- मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं !यह वह क्षण था जहां मुख्यमंत्री के भीतर शोक का अथाह सागर उमड़ा होगा, आंखों के सामने मां का चेहरा आ गया होगा, लेकिन सामने हजारों ऐसे बच्चे खड़े थे, जिनकी आंखों में अपने प्रदेश के मुखिया से मिलने, उनके साथ एक तस्वीर खिंचवाने और भविष्य की प्रेरणा पाने की चमक थी। कोई अन्य शायद उसी क्षण टूट जाता, व्यथा में डूब जाता। लेकिन, योगी आदित्यनाथ ने उस असहनीय व्यक्तिगत पीड़ा को अपने भीतर कहीं बहुत गहराई में दफन कर लिया। असहनीय दर्द को चेहरे के पीछे छिपाकर वह संयत कदमों से विद्यार्थियों के बीच गए। उनके साथ सेल्फी खिंचवाई, मुस्कुराकर आशीर्वाद दिया और कार्यक्रम को उसकी पूर्णता तक पहुंचाया। उन बच्चों को इस बात का रत्ती भर भी भान नहीं था कि जो अभिभावक उनके कंधों पर हाथ रखकर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दे रहा है, उसका हृदय मातृशोक की गहरी पीड़ा से भरा है। यह 'कर्मयोग' की पराकाष्ठा थी, जहां एक शासक के लिए अपने व्यक्तिगत आघात से ऊपर जन कल्याण था। हालांकि, जो लोग योगी आदित्यनाथ के जीवन दर्शन और उनके संकल्प को करीब से जानते हैं, वे इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि यह पहली बार नहीं है जब इस कर्मयोगी ने राजधर्म के लिए अपने पारिवारिक मोह और व्यक्तिगत शोक का त्याग किया हो। अप्रैल 2020 के उस भयानक दौर की याद करें, जब पूरा देश और उत्तर प्रदेश वैश्विक महामारी कोरोना की पहली और सबसे जानलेवा लहर से जूझ रहा था।

आज का राशिफल

मेष

कारोबार में अच्छी सफलता मिलेगी और भाग्य का भी पूरा साथ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और मेहनत से काम करना आपकी साख मजबूत बनाएगा। निजी संबंध प्रेमपूर्ण और प्रसन्नतादायक रहेंगे। आप पारिवारिक रिश्तों को भी बखूबी निभाएंगे।

मिथुन

कार्यों के समय पर पूरा न होने से आप थोड़े हताश हो सकते हैं। निजी संबंधों के मामले में आपको कुछ मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है। जब आपको सबसे ज्यादा जरूरत होगी, तब परिवार के सदस्यों से उम्मनीद के मुताबिक मदद नहीं मिल पाएगी।

सिंह

दूसरों से अधिक उम्मीदें न रखें। इसकी वजह से आपको मानसिक परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक मामलों में बड़े फैसले लेते वक्त आपको बेहद सावधान रहने की जरूरत है। अपनी कार्यकुशलता से आप तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान निकाल लेंगे।

वृष

कार्यक्षेत्र और समाज में आपका रुतबा बरकरार रह सकेगा। आर्थिक मामलों में तकदीर आपका पूरा साथ देगी। आपके कारोबार में विस्तार के योग बन रहे हैं। व्यापार में तीन लोगों की पार्टनरशिप की स्थिति बनेगी। कोई नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित हो सकता है। भावनाओं को आपके आगे अभिव्यक्त नहीं कर सकेगा।

कर्क

कार्यक्षेत्र में आप खुद को युवाओं जैसा ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपकी पुत्री करियर के मामले में कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकती है। आपके कुछ चालाक दोस्त आपकी उदारता का गलत फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। परिवार के प्रति आपका रवैया उदार रहेगा।

कन्या

आपके कार्यक्षेत्र और परिवेश में तेजी से सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान तरक्की के नए अवसर सामने आएंगे। पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ा और अपनी भावनाओं को मन में दबाकर न रखें। यह समय अपने विचारों और योजनाओं को खुलकर सामने रखने का है।

तुला

आपके करियर का एक बेहद शानदार नया दौर शुरू होने वाला है। आप अपनी मौजूदा व्यावसायिक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। नए अवसरों का सामना करने के लिए खुद को पूरी तरह से तैयार रखें। आपके सामने कई ऐसी संभावनाएं आएंगी जिसे आपको पकड़ने की जरूरत है।

धनु

नए अनुभवों का भरपूर लाभ मिलेगा। नकारात्मक विचारों को भुलाकर जीवन में आगे बढ़ें। कार्यक्षेत्र या निजी जीवन में मिथुन राशि का कोई व्यक्ति आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। निजी संबंधों के सुड़ा कोई बड़ा वादा न करें। किसी भी असमंजस की स्थिति में अपने दिल और अंतर्मन की पुकार को सुनकर ही कदम बढ़ाएं।

कुंभ

अतीत की बातों और भविष्य की लंबी योजनाओं में के चक्कर में अपने वर्तमान को मत भूलें। लापरहावी के कारण आपके हाथ से करियर का एक सुनहरा मौका निकल सकता है। जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव करने की कोशिश में जुटे रहेंगे। कामकाज के साथ-साथ अध्यात्म के प्रति भी आपका रुझान बढ़ेगा।

वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में आप अपनी एक अलग और मजबूत छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। निजी व व्यावसायिक दोनों ही मामलों में आपका नेतृत्व चमकेगा। आप असंभव दिखने वाले कार्यों और चुनौतियों का समाधान आसानी से निकाल लेंगे। प्रेम प्रसंग के कारण आपका मूड खुशनुमा रहेगा।

मकर

करियर और कामकाज को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति अब खत्म होगी। अपने पुराने तौर-तरीकों में सुधार आपको दूसरों से आगे ले जाएगा। करियर से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना पड़ सकता है। पुरानी आदतों को छोड़ने का वक्त आ चुका है।

मीन

लोगों से संवाद और नेटवर्किंग स्थापित करने का सबसे सही समय है। व्यावसाय के क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ संपर्क बढ़ाएं। कार्यक्षेत्र में सहज रहकर काम करें। निजी व व्यावसायिक दोनों ही मामलों में आपको सफलता मिलेगी। पारिवारिक स्थितियों को संभालने के लिए आपको सकारात्मक सोच के साथ काम करें।

संक्षिप्त समाचार

2026-27 की पहली छमाही में निजी निवेश परियोजनाएं 58.5 प्रतिशत बढ़ीं: सीआईआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में निजी क्षेत्र की परियोजनाओं की घोषणाएं सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। उद्योग निकाय ने कहा कि यह लगातार हो रहे सरकारी सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय सुधारों के बीच निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

CII
Confederation of Indian Industry

सीआईआई के निजी निवेश सूचक के दूसरे संस्करण के अनुसार अप्रैल-सितंबर, 2026 के दौरान कुल परियोजना घोषणाओं में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 74.2 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान निवेश की ये घोषणाएं वित्त वर्ष 2016-17 से 2024-25 की पहली छमाहियों में दर्ज औसत का 4.4 गुना रहीं। सीआईआई के अध्यक्ष आर मुकुंदन ने कहा कि सरकार के लगातार नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय ढांचे में सुधार ने निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा, नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामकीय ढांचे में सुधार के जरिये निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल बनाने का काफी श्रेय सरकार को जाता है। उन्होंने आगे कहा, भारतीय उद्योग इन अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है और हमें निवेश घोषणाओं तथा वास्तविक पूंजी निर्माण, दोनों में इसके उत्साहजनक प्रमाण देखने को मिल रहे हैं। उद्योग निकाय ने कहा कि निजी निवेश में सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि लगभग 1,800 सूचीबद्ध निजी कंपनियों का सकल पूंजी निर्माण वित्त वर्ष 2025-26 में 12.4 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह मौजूदा बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद के 3.6 प्रतिशत के बराबर है, जबकि वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के दौरान इसका औसत 2.2 प्रतिशत था। इसके अलावा 54 प्रतिशत कंपनियों ने अपनी स्थिर निवेश दरों में वृद्धि की, जबकि चार में से लगभग तीन कंपनियों ने शुद्ध उत्पादक क्षमता जोड़ी।

दिसंबर के पहले सप्ताह में बाजार में दस्तक देंगे दो आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। दो कंपनियां मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड कारोबार विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूंजी जुटाने के मकसद से दिसंबर के पहले सप्ताह में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए तैयार हैं। दोनों कंपनियों के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार मोनोमार्क इंजीनियरिंग का



आईपीओ दो दिसंबर को खुलेगा और चार दिसंबर को बंद होगा, जबकि मातंगी रबर का सार्वजनिक निर्गम एक दिसंबर से तीन दिसंबर तक अभिदान के लिए उपलब्ध रहेगा। मातंगी रबर के लिए एंकर निवेशकों की बोली 30 नवंबर को होगी, जबकि मोनोमार्क इंजीनियरिंग अपने सार्वजनिक निर्गम खुलने से एक दिन पहले एक दिसंबर को एंकर निवेशकों के लिए बोली आयोजित करेगी। इसके अलावा, खाद्य सेवा क्षेत्र में काम करने वाली फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) लिमिटेड 26 नवंबर को अपना आईपीओ लाएगी, जबकि निजी इक्विटी फर्म एवरस्टोन कैपिटल समर्थित विविध चिकित्सा प्रौद्योगिकी मंच इंटेग्रिस मेडटेक 27 नवंबर को अपना सार्वजनिक निर्गम पेश करेगी।

8 हफ्तों की गिरावट के बाद अचानक क्यों उछला सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट के बाद ग्लोबल मार्केट में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गोल्ड में उछाल आया। एनवीडिया के सीआई जेनसन हुआंग की वापसी से दुनियाभर के शेयर बाजारों में एआई निवेश को लेकर उत्साह बढ़ा, जिसका असर सोने की कीमतों पर भी देखने को मिला। गोल्ड 3,676 डॉलर प्रति औंस के साथ दिन के हाई लेवल पर पहुंच गई। जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में 0.4 प्रतिशत की तेजी आई और यह 3,667.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा।

भारत में क्या हैं गोल्ड के रेट?

आज मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर भारतीय स्टॉक मार्केट और कमोडिटी मार्केट बंद हैं। ऐसे में सोमवार के रेट ही मान्य होंगे। पिछले दिन यानी 23 नंवबर को 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 1,25,123 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इसी तरह, 22 कैरेट सोने के दाम 1,14,613 रुपए और 18 कैरेट गोल्ड के दाम 93,842 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। वायदा बाजार की बात करें दो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 1,26,021 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुका है।



14 महीने के लो पर सोना

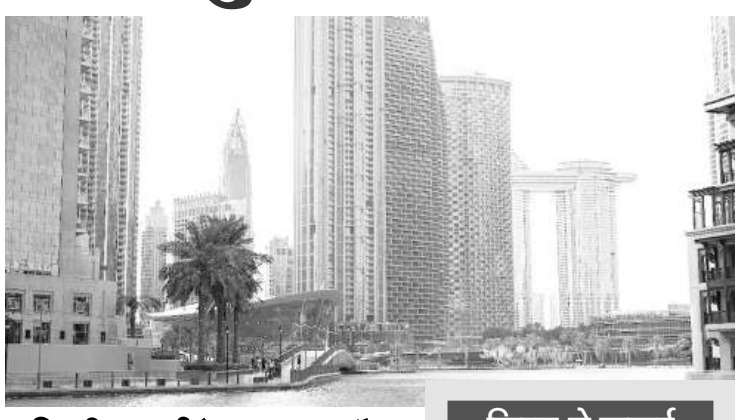
सोने में आई इस तेजी ने पिछले हफ्ते की बड़ी गिरावट के बाद निवेशकों को कुछ राहत दी है। पिछले सत्र में भी बुलियन की कीमतों में 2.7 प्रतिशत का उछाल आया था। इस तरह दो कारोबारी सत्रों में सोना करीब 3,670 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, पिछले हफ्ते सोने की कीमतों में करीब 9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। इस दौरान सोना एक साल से ज्यादा समय के अपने सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गया था। करीब दो हफ्ते पहले इसकी कीमत 4,000 डॉलर प्रति औंस के अहम स्तर से भी नीचे चली गई थी।

बाजार में क्यों लौटा भरोसा?

सोने की कीमतों में सुधार की एक बड़ी वजह नवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग की वापसी रही। दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी नवीडिया ने उन्हें दोबारा प्रेसिडेंट और सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी। उनके जाने से जुड़े विवाद के दो हफ्ते से भी कम समय में यह फैसला आया। इस घटनाक्रम में सरकार की भूमिका भी रही। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई और वॉल स्ट्रीट ने अप्रैल 2025 के बाद अपना सबसे मजबूत कारोबारी प्रदर्शन किया। इससे एआई से जुड़ी कंपनियों में निवेश को लेकर भरोसा बढ़ा। इससे पहले टेक शेयरों में गिरावट के दौरान निवेशकों ने दूसरे बाजारों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए सोना बेचना शुरू कर दिया था। इससे गोल्ड पर दबाव बढ़ा था।

महंगाई और ब्याज दरें अब भी बड़ी चुनौती- हालांकि, सोने की तेजी के सामने कुछ चुनौतियां अब भी हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी जॉन विलियम्स ने कहा है कि, महंगाई को काबू में करने के लिए अभी और काम करना बाकी है। बाजार को उम्मीद है कि दिसंबर की बैठक में फेड ब्याज दरें बढ़ा सकता है। ब्याज दरें बढ़ने से सोने की मांग पर दबाव पड़ता है, क्योंकि सोने से निवेशकों को कोई ब्याज नहीं मिलता।

दुबई में घर खरीदने का सुनहरा मौका!



दिल्ली-मुंबई से बहुत कम है प्रॉपर्टी का दाम; किराए से भी होगी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुत से भारतीय विदेश में जाकर बसने की सोचते हैं। मगर प्रॉपर्टी के रेट के कारण अकसर नहीं जा पाते। मगर क्या आप जानते हैं कि इस समय दुबई में प्रॉपर्टी के रेट दिल्ली-मुंबई से भी कम हैं। जी हां, आपने सही पढ़ा। इस बात की जानकारी हाल ही में दुबई में मौजूद डैन्यूब प्रॉपर्टीज के ओनर रिजवान साजन (जो कि एक भारतीय हैं) ने दी। दुबई में रियल एस्टेट की कीमतें मुंबई, दिल्ली और दुनिया भर के कई अन्य शहरों की तुलना में कम हैं। हालांकि अगले तीन से पांच वर्षों में वहां प्रॉपर्टी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की काफी संभावना है।

मुंबई की तुलना में आधी से भी कम- डैन्यूब ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन रिजवान साजन ने हाल ही में कहा था कि दुबई में कीमतें मुंबई की तुलना में आधी से भी कम हैं। उन्होंने बताया था कि दुबई में अभी काफी डेवलप होना बाकी है। यहां कीमतें अभी भी बहुत उचित और लोगों की पहुंच में हैं।

किराए से कमाई

साजन की कंपनी ने डेटा भी पेश किया था, जिसमें भारत, अमेरिका और यूरोप के 14 अलग-अलग शहरों के पॉश इलाकों में प्रॉपर्टी की कीमतों की तुलना की गई। डेटा के अनुसार दुबई में प्रॉपर्टी में निवेश करने पर सालाना 6.5 प्रतिशत तक का रेंटल यील्ड (किराये से होने वाली कमाई) मिल सकता है, जबकि मुंबई में निवेश करने पर यह रिटर्न केवल 3.9 प्रतिशत है। साजन ने यह भी बताया था कि डेन्यूब के प्रोजेक्ट्स में लगभग 30 प्रतिशत खरीदार भारत से आते हैं और भारतीय खरीदारों का रिस्पॉन्स पहले भी अच्छा था और अभी भी अच्छा है।

जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने वाहन डिजाइन

- परीक्षण और स्थानीयकरण के लिए एआरएआई से किया समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू समूह की यात्री वाहन इकाई, जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने नए ऊर्जा वाहनों के संयुक्त विकास, परीक्षण और स्थानीयकरण के लिए ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि इस



रणनीतिक तकनीकी सहयोग का उद्देश्य वाहनों और उनकी प्रणालियों के विकास के लिए मजबूत तकनीकी आधार तैयार करना, परीक्षण एवं नियामकीय तैयारियों को बेहतर बनाना तथा भारतीय परिचालन परिस्थितियों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और क्षमताओं का विकास करना है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रंजन नायक ने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ वाहनों का विनिर्माण करना नहीं, बल्कि मजबूत स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं वाली विश्वस्तरीय भारतीय वाहन कंपनी बनाना है। इस साझेदारी से भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के समकक्ष अगली पीढ़ी के परिवहन समाधान विकसित करने में तेजी आएगी। कंपनी तीन दिसंबर को एसयूवी के साथ भारतीय यात्री वाहन बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है।

एयरलाइन स्पाइसजेट की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही

नई दिल्ली, एजेंसी। सस्ते किराए वाली एयरलाइन स्पाइसजेट की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही इस एयरलाइन की सितंबर में घरेलू बाजार में हिस्सेदारी घटकर 0.6 फीसदी रह गई है जबकि अगस्त में यह 1.2 फीसदी थी। इंडिगो, एयर इंडिया ग्रुप और आकासा एयर के बाद स्पाइसजेट देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसकी फ्लाइट्स लगातार डिले या कैंसिल हो रही हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की शिकायत है कि स्पाइसजेट अपनी फ्लाइट्स के बारे में कोई अपडेट नहीं दे रही है और कैंसिल होने पर रिफंड भी नहीं मिल रहा है। परेशान यात्री सोशल मीडिया पर स्पाइसजेट के खिलाफ अपना गुस्सा निकाल रहे हैं।



कब आएगी जवाबदेही?

हाल के दिनों में दिल्ली, बेंगलुरु और श्रीनगर समेत कई एयरपोर्ट्स पर यात्रियों और स्पाइसजेट के स्टाफ के बीच नोकझोंक के मामले में सामने आए हैं। रतन लाल नाम के एक यूजर ने एक्स पर लिखा, फ्लाइट डिले की बात समझ में आती है लेकिन यात्रियों को सही जानकारी नहीं दी जा रही है। एयरलाइन की तरफ से इस तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती है। स्पाइसजेट को यात्रियों को मुश्किलों के समझना चाहिए और उन्हें डिले का कारण साफ-साफ बताना चाहिए। आखिर कब जवाबदेही आएगी? कई रूट्स पर स्पाइसजेट की उड़ानें बंद हो चुकी हैं लेकिन इसके बावजूद एयरलाइन इस बारे में पैसेंजर्स को अपडेट नहीं कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्पाइसजेट की ऑनलाइन बुकिंग प्रोसेस में कई ऐसे रूट्स भी उपलब्ध हैं जहां फ्लाइट्स की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। दुबई एयरपोर्ट ने 12 नवंबर को स्पाइसजेट की चेक-इन सर्विसेज को सस्पेंड कर

दूसरी कंपनियों की नजर

स्पाइजेट दिल्ली, मुंबई, जयपुर और अमृतसर से दुबई के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। स्पाइसजेट के पास दुबई के लिए हर हफ्ते 14,000 से अधिक सीटें हैं। लेकिन लगातार घटते ऑपरेशन के कारण अब इस बात पर संदेह है कि एयरलाइन इसे यूज कर पाएगी या नहीं। इस बीच इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा के अनयूज्ड स्लॉट पर है। स्पाइसजेट दुबई के अलावा जेद्दा और बैंकॉक के लिए भी फ्लाइट ऑपरेट करती है।

यूएसए और ईयू ही नहीं, लैटिन अमेरिका और अफ्रीकी देशों में भी बढ़ेगा दवा निर्यात, यह है स्ट्रैटेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। दवाइयों के निर्माण की बात आती है तो दुनिया भर में भारत की पहचान फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड के रूप में होती है। आखिर ऐसा क्यों नहीं हो। इस समय दुनिया में भारतीय फार्मा इंडस्ट्री का स्थान वॉल्यूम में तीसरा जबकि वैल्यू में 11वां है। हमारा फार्मा एक्सपोर्ट करीब 31 बिलियन का रहा था। इसके इसी साल के अंत तक 32-33 तक पहुंच जाने की संभावना है। यह बातें यहां चल रही तीन दिवसीय प्रदर्शनी 2026 में निकल कर सामने आई है।



तेज रफ्तार से बढ़ेगी इंडस्ट्री

इस समय भारत की फार्मा इंडस्ट्री 60 से 70 की है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि साल 2030 तक यह बढ़ कर 130 तक पहुंच जाएगा। साथ ही साल 2047 तक इसके 400 तक पहुंच जाने की महत्वाकांक्षा है। दवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने वाला शीर्ष संगठन (फार्मेक्सिल) के महानिदेशक के. राजा भानु का कहना है कि भारतीय फार्मा इंडस्ट्री अब केवल बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं के उत्पादन तक सीमित नहीं रहना चाहता है। अब यहां जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और आधुनिक उपचारों के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

नए बाजार में प्रवेश

के अध्यक्ष हरीश के. जैन का कहना है कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री ने बड़ा सफर तय किया है। कभी बेहद छोटे स्तर पर शुरू हुआ कारोबार इस समय 60 का हो चुका है। जल्दी ही हम 130 के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। लेकिन इसके लिए हमें जेनेरिक दवाओं के साथ अनुसंधान, नई उपचार पद्धतियों और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं पर भी निरंतर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि इस समय अमेरिका और यूरोप को भारत से अच्छी मात्रा में दवाओं का निर्यात होता है। सिर्फ अमेरिका की ही बात करें तो वहां सालाना 9 से 10 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात होता है।

आरबीआई ला रहा स्टाप स्वीच सुविधा, एक क्लिक से रुकेंगे सभी डिजिटल पेमेंट

बैंक अकाउंट से फ्रॉड का डर होगा खत्म



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट के जरिए होने वाले फ्रॉड को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बड़ा प्रस्ताव दिया है। इसके तहत बैंक ग्राहकों को की सुविधा देंगे। इसकी मदद से ग्राहक धोखाधड़ी का शक होने पर अपने बैंक खाते से होने वाले सभी तरह के नए डिजिटल डेबिट यानी पैसे निकलने की प्रक्रिया को तुरंत रोक सकेंगे।

आरबीआई का मकसद ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट पर ज्यादा नियंत्रण देना और ऑनलाइन धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान को कम करना है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने नाम की एक और सुविधा का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत ग्राहक एक भरोसेमंद व्यक्ति को नामित कर सकेंगे, जिसकी मंजूरी के बाद तय सीमा से ज्यादा रकम का ट्रांजैक्शन हो सकेगा। ये नियम 1 जुलाई 2027 से लागू होंगे। हालांकि, बैंक चाहें तो इससे पहले भी इन्हें लागू कर सकते हैं।

ट्रस्टेड पर्सन मैकेनिज्म क्या है?

आरबीआई ने ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रस्टेड पर्सन मैकेनिज्म का भी प्रस्ताव दिया है। इसके तहत ग्राहक किसी भरोसेमंद व्यक्ति को अपने बैंक खाते से होने वाले बड़े ट्रांजैक्शन की मंजूरी देने के लिए नामित कर सकेंगे। ग्राहक खुद एक रकम की सीमा तय कर सकेंगे। इस सीमा से ज्यादा का कोई ट्रांजैक्शन होने पर बैंक उस भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी भेजेगा। इसमें ट्रांजैक्शन की रकम, पैसे पाने वाले व्यक्ति का नाम, बैंक अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर और भुगतान से जुड़ी अन्य जानकारी शामिल होगी। नोटिफिकेशन मिलने के बाद भरोसेमंद व्यक्ति को एक घंटे का समय मिलेगा। इस दौरान वह बैंक के तय तरीके से ट्रांजैक्शन को मंजूरी दे सकता है। अगर वह मंजूरी नहीं देता या एक घंटे के भीतर कोई जवाब नहीं देता है, तो ट्रांजैक्शन रद्द कर दिया

ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड के कितने केस?

देश में डिजिटल पेमेंट और साइबर ठगी से जुड़े मामलों में हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015-16 से 2025-26 के बीच बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने डिजिटल पेमेंट फ्रॉड के करीब 8.23 लाख मामले दर्ज किए। इनमें कुल 4,457 करोड़ रुपये की रकम शामिल थी। वित्त वर्ष 2023-24 में सबसे ज्यादा 2,060.75 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। वहीं व्यापक साइबर अपराध के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 22,849 करोड़ और 2025 में 19,812 करोड़ रुपये की ठगी हुई। सरकार ने ऐसे फ्रॉड रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं।

5000 ट्रैवल क्रेडिट्स, लाउंज एक्सेस...

देश-विदेश घूमने वालों के लिए फायदेमंद है एसबीआई का क्रेडिट कार्ड?

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बैंक अपने ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के क्रेडिट कार्ड्स की सुविधाएं देते हैं। इनमें से एक है स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंकों में से एक एसबीआई ग्राहकों के लिए कई प्रकार के क्रेडिट कार्ड्स को ऑफर करता है। इसकी अलग-अलग खासियत, फीस और फायदे हैं। इस बीच हम यहां एसबीआई कार्ड के एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की बात कर रहे हैं। बैंक द्वारा दिया जाने वाला कार्ड एक ट्रैवल क्रेडिट कार्ड है। यह उनके लिए खास हो सकता है, जो देश-विदेश की यात्रा करते रहते हैं। इसमें 5000 ट्रैवल क्रेडिट्स, लाउंज एक्सेस समेत कई सुविधाएं मिलती हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही इसकी फीस और पात्रता को भी जानेंगे।



एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट के फायदे क्या हैं?

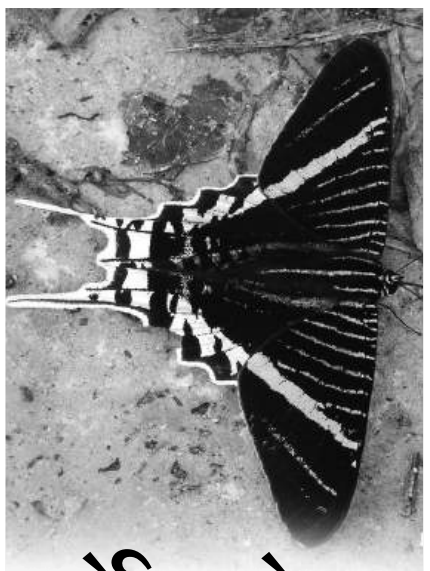
एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट के कई सारे फायदे हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार से हैं-बैंक कार्डधारक को वेलकम बेनिफिट के रूप में तय समय (60 दिन) में एक लाख रुपये के खर्च पर 5000 ट्रैवल क्रेडिट्स देता है। जॉइनिंग फीस के पेमेंट पर ट्रैवल क्रेडिट को क्रेडिट करने की सुविधा है। यात्रा पर खर्च किए गए हर 200 रुपये पर 6 ट्रैवल क्रेडिट मिलता है। बाकी सभी खर्चों पर हर 200 रुपये पर 2 ट्रैवल क्रेडिट की सुविधा है। एक मेंबरशिप वर्ष में 15 लाख रुपये के माइलस्टोन खर्च पर वार्षिक शुल्क (एनुअल फीस) की वापसी (रिवर्सल) की सुविधा है।

एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की फीस क्या है?

अब बात एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की फीस की। इस क्रेडिट कार्ड की जॉइनिंग और रिन्यूअल फीस 4999 रुपये और जीएसटी टैक्स है। कार्ड वर्ष में 15 लाख रुपये तक के खर्च पर एनुअल फीस माफ की सुविधा है। एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट में ऐड-ऑन कार्ड फीस शून्य (0) है। एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की पात्रता क्या है? एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की पात्रता में भारतीय नागरिक होना, आयु 18 से 70 साल, सैलरी और स्वरोजगार वाले समेत अन्य शामिल है।

एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की एनुअल फीस क्या है?

एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की एनुअल फीस 4999 रुपये और लागू जीएसटी टैक्स है। क्या एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की एनुअल फीस माफ भी हो सकती है? हां, एसबीआई कार्ड माइल्स एलीट की एनुअल फीस माफ भी हो सकती है।



यूरेनिया लेलसः हरे पट्टे वाला और बड़े आकार का पतंगा

यूरेनिया लेलस, जिसे सामान्यतः हरे पट्टे वाला यूरेनिया पतंगा कहा जाता है, दिन के समय उड़ने वाला एक बेहद चमकीला और आकर्षक पतंगा है। अपने चटक रंगों और पंखों की लंबी पूंछ के कारण इसे अक्सर गलती से 'स्वैलोटेल' तितली समझ लिया जाता है।

इस चमकीले हो पड़े वाले पतंग की गिनती दिन में उड़ने वाले पतंगों में होती है। इसका वैज्ञानिक नाम यूरेनिया लेलस है। यूरेनिया का अर्थ होता है स्वर्ग से उतरा हुआ। इसे समुद्र तल से 800 मीटर की ऊंचाई पर नदियों के किनारे बाले वर्षा बनों में देखा जा सकता है। दक्षिण अमेरिका में एंटीज पर्वतों के पूर्व में जिसमें बाजील, उत्तरी बोलीविया, पूर्वी कोलंबिया, फ्रेंच गिनी, पूर्वी पेरु सूरी आदि स्थानों पर देखा जा सकती है। यह एक प्रवासी पतंगा है जी एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करता है।

अपेक्षाकृत काफी बड़ा पतंगा है। इसके पंखों का आयाम लगभग 7 सेंटीमीटर नाया गया है। ये इतने बड़े होते हैं कि जंगल में उड़ते समय ऐसा लगता है कि कोई छोटी काले हरे रंग की चिड़िया उड़ रही हो। इनके चार पंख होते हैं। दो अगले पंख और दो पिछले। अगले पंखों के किनमे लगभग मोल होते हैं।

इनके मुख्यत: काले रंग के पंख होते हैं जिन पर हरे पीले रंग के चमकीले खड़े पट्टे बने होते हैं। इनकी आंखों के बीच में ही दो धागे जैसी पहले एंटीना नजर आते हैं, जिनसे ये अपने पर्यावरण से संपर्क रखते हैं। शेष शरीर काला इल्ली नुमा होता है। पिछले पं शानदार रंग लिए जिनके किन्नरे कटे हुए और रिसी तीखे तलवार से नजर आते हैं। पूंछ सफेद तथा पिछले पंख पर ऊपर की और कहीं कहीं चमकीला फीरोजी रंग भी नजर आता है।

ये अपने अंडे केवल ओफेलिया नामक पौधों की पत्तियां पर ही देते हैं। इनसे निकलने वाली इल्लियों इनके पत्तों को ही खाती है।

मुख्य विशेषताएं

अधिकांश पतंगों के विपरीत, जो रात में सक्रिय होते हैं, यूरेनिया लेलस दिन के उजाले में उड़ता है और अक्सर नदी किनारों पर खनिजों के लिए गीली मिट्टी या चट्टानों पर बैठा देखा जाता है।











देश में कई ऐसे मंदिर हैं जहाँ करोड़ों से लेकर अरबों रूपये तक का सोना भरा है.ये मंदिरों में न केवल अभी बल्कि प्राचीन काल से भी समृद्ध रहें हैं आइये जानें देश के ऐसे कौन से मंदिर हैं जहाँ भरी हैं हीरे जवाहरात से तिजोरियां

ये हैं देश के 10 सबसे अमीर मंदिर
जहाँ भरी हैं हीरे जवाहरात से तिजोरियां

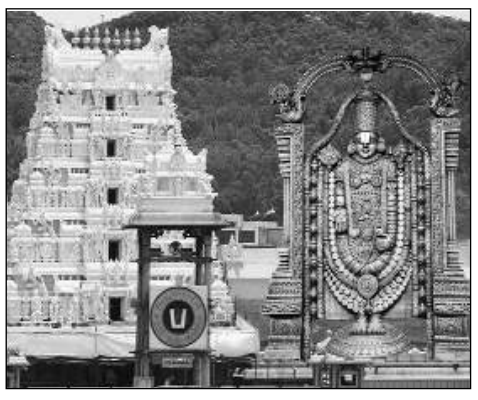
भारत को प्राचीन काल से ही सोने की चिड़िया कहा जाता है देश में कई विदेशी हमले हुए जिन्होंने देश को लूट कर हानि पहुँचाने की कोशिश की लेकिन फिर भी आज देश में अनेक ऐसे मंदिर हैं जहाँ करोंडो से लेकर अरबों रु का सोना और हीरे जवाहरात भरें हैं. देश में ये मंदिर लोगों की आस्था के प्रतीक हैं और हर वर्ष लाखों लोग यहाँ दर्शन करने और अपनी मन्नतों को पूरा करने आते हैं. इन मंदिरों में हर साल लाखों रुपये का चढ़ावा आता है. आइये जानें आखिर देश में ऐसे कौन से मंदिर हैं.

पद्मनाभस्वामी मंदिर



पद्मनाभस्वामी मंदिर देश के सबसे अमीर मंदिरों की सूची में पहले स्थान पर है. ये मंदिर भारत के दक्षिण राज्य केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित है और भगवान विष्णु को समर्पित है. ये मंदिर वर्ष 2011 से तब चर्चा में आया जब इसके 6 दरवाजों को खोला गया और इन दरवाजों से बेसुमार मात्रा में सोने हीरे और बहुमूल्य जवाहरात मिले जिनकी कीमत लगभग 20 अरब डॉलर आंकी गई है. इस मंदिर के 7 वें दरवाजे को खोलने की अनुमति सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नहीं दी गई है जिसमें अनुमान है कि सबसे अधिक खजाना भरा है. इस मंदिर की देख रेख ट्रावनकोर राज परिवार द्वारा की जाती है. मंदिर के खजाने से बहुमूल्य सोने की मूर्तियाँ, हीरे जवाहरात, 18 फीट लम्बी सोने की जंजीरे, और गहने मिले हैं जिनकी कीमत अरबों रूपये रखी गई है. इस मंदिर के गर्भ ग्रह में भगवान विष्णु की एक सोने की मूर्ति विद्यमान है जिसकी कीमत 500 करोड़ से भी अधिक है.

तिरुपति बालाजी, आंध्रप्रदेश



तिरुपति बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुमाला पर्वत पर स्थित है. देश के सबसे अमीर मंदिरों की सूची में ये दूसरे स्थान पर है. ये मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ निवास करते हैं. ये मंदिर अपने चमत्कारों और रहस्यों के लिए विश्व प्रसिद्ध है. इस मंदिर में प्रति दिन लाखों रूपये का चढ़ावा और हर साल यहाँ लगभग 650 करोड़ रूपये का दान आता है. इस मंदिर के पास लगभग 9 टन सोने के भंडार और 14 हजार करोड़ के फिक्स्ड डिपाजिट हैं.

सिद्धि विनायक, मुंबई



देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित श्री सिद्धि विनायक मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में भक्त और विभिन्न सेलिब्रिटी दर्शनों को आते हैं जो यहाँ बड़ी मात्रा में चढ़ाव चढाते हैं. इस मंदिर में 3.7 किलोग्राम सोने की कोटिंग है, जिसे कोलकाता के एक व्यापारी ने दान स्वरूप करवाई थी. इस मंदिर में हर वर्ष करीब 125 करोड़ का दान आता है.

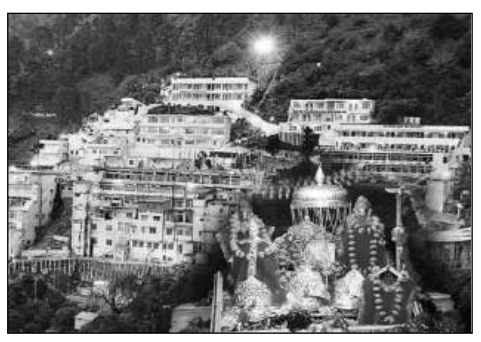
शिरडी साईं बाबा



शिरडी स्थित साईं बाबा का मंदिर धार्मिक आस्था का एक प्रमुख केंद्र है. यहाँ भी हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं. विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मंदिर के बैंक एकाउंट्स में करीब 380 किलो सोना, 4 हजार किलो चांदी विभिन्न देशों की मुद्राएँ डॉलर और पाउंड बड़ी मात्रा में धन जमा हैं साथ ही यहाँ लगभग 1,800 करोड़ रुपये का कैश भी जमा हैं.

माता वैष्णव देवी मंदिर

माता वैष्णव देवी मंदिर भी भारत के सबसे प्रसिद्ध और अमीर मंदिरों में से एक है. मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मंदिर में हर वर्ष करीब 500 करोड़ रूपये की आय होती है. जिस कारण ये देश के सबसे अमीर मंदिरों में एक प्रमुख स्थान रखता है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में देश और दुनिया से श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं और अपनी मन्नते पूरी होने पर बड़ी संख्या में दान देते हैं. जम्मू की अर्थव्यवस्था में माता वैष्णव देवी आने वाले भक्तों का एक प्रमुख योगदान है.



जगन्नाथ पुरी, ओडिशा



ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दुओं के चार धामों में से एक है. ये मंदिर भगवान विष्णु के 8वें अवतार श्री कृष्णा को समर्पित है. समुद्र किनारे स्थित इस मंदिर के कई चमत्कार हैं जो विश्व प्रसिद्ध है. हर वर्ष लाखों की संख्या में भक्त यहाँ आकर दर्शन करते हैं. विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मंदिर में करीब 100 किलो सोना और चांदी के बहुमूल्य खजाने हैं.

विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ का मंदिर विश्व प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है और इस मंदिर के कारण ही वाराणसी या बनारस देश के साथ-साथ विश्व के भी प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में प्रमुख स्थान रखता है.ये मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसी कारण इसे शिव की नगरी के नाम से भी जाना जाता है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं. इस मंदिर में वर्ष 50 लाख से अधिक देशी और लगभग 2-3 लाख विदेशी पर्यटक आते हैं. इस मंदिर में हर वर्ष 4 से 5 करोड़ रूपये का चढ़ावा आता है. इस मंदिर के 3 गुम्बद हैं जिनमें से 2 में सोने की परत चढ़ी हुई है.



सोमनाथ मंदिर, सौराष्ट्र



गुजरात के सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और ये पूर्व से ही देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक रहा है. ये भगवान शिव को समर्पित 11 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने इस मंदिर पर 17 बार हमला कर इसे लुटने की कोशिश की है. कहा जाता है कि गजनवी के आक्रमण के दौरान इस मंदिर की सीढ़ियाँ तक सोने की थीं. इस मंदिर में हर वर्ष लगभग करोड़ों का चढ़ावा आता है.

मीनाक्षी मंदिर मदुरै



दक्षिण भारत में स्थित मीनाक्षी मंदिर देश के उन प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है जहाँ प्रति दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करते हैं. एक अनुमान के अनुसार इस मंदिर में रोज 20 से 30 हजार लोग आते हैं. इस मंदिर में भक्त बड़ी संख्या में दान करते हैं विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यहाँ हर वर्ष करीब 6 से 7 करोड़ का चढ़ावा आता है.

सबरीमाला अयप्पा मंदिर

केरल स्थित सबरीमाला अयप्पा मंदिर महिलाओं के जानें पर बैन के कारण चर्चा में था. क्या आप जानते हैं ये देश के सबसे अमीर मंदिरों की लिस्ट में एक प्रमुख स्थान रखता है. इस मंदिर में हर वर्ष करीब 10 करोड़ श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं. ये मंदिर ऊँचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच स्थित है. यात्रा के दौरान इस मंदिर में करीब 250 करोड़ का चढ़ावा आता है.





1 लाख 80 हजार साल पुरानी गुफा में है अली बार्बस रेस्त्रां

केन्या के डियानी बीच पर 'अली बाबा रेस्तरां' के नाम से मुख्य रूप से विश्व प्रसिद्ध अली बारबोर का केव रेस्टोरेंट जाना जाता है। यह रेस्टोरेंट जमीन से लगभग 10 मीटर (33 फीट) नीचे एक प्राकृतिक मूंगा गुफा के अंदर बना है, जिसे 1,20,000 से 1,80,000 साल पुराना माना जाता है। गुफा की छत में प्राकृतिक खुले हिस्से हैं, जहाँ से रात में तारों भरा आसमान दिखाई देता है।

केन्या में एक रेस्त्रां है, जिसका नाम है अली बार्बर्स केव रेस्त्रां। इसकी खासियत यह है कि यह करीब 1 लाख 80 हजार साल पुरानी प्राचीन गुफा में मौजूद है। 10 मीटर की गहराई में इस जगह पर भोजन का आनंद लेना वाकई किसी रोमांचक अनुभव से कम नहीं होता। यह केन्या के डियानी बीच पर मौजूद है।

अली बाबा चालीस चोर की तर्ज पर दिया गया है इसका नाम

इस रेस्त्रां को इसकी प्राकृतिक खूबसूरती का ध्यान रखते हुए इंटीरियर किया गया है। शाम के वक्त यहां कैंडल्स लाइट फैल जाती है ताकि नेचुरल फील हो। वैसे गुफाओं में मौजूद छिद्रों से इसके अंदर नेचुरल लाइट प्रवेश करती है। यह एक कोरल केव है। इस रेस्त्रां को 1980 में जॉर्ज एंड जैकी बॉर्बर नामक पति-पत्नी द्वारा स्थापित किया था और उन्होंने अली बाबा चालीस चोर की तर्ज पर इसका यह अनोखा नाम रखा। सिर्फ इसका किचन और बाथरूम ही आधुनिक स्टाइल में रखा गया है। बाकी यहां सब कुछ प्राचीन थीम पर है।

अफ्रीका के मोस्ट रोमांटिक रेस्त्रां का मिल चुका है खिताब

यहां का मेन्यू इंटरनेशनल है और सी फूड यहां की विशेषता है। भारतीय समय के अनुसार यह रेस्त्रां शाम को 6.30 बजे ओपन होता है और यहां स्मार्ट कैजुअल वियर में जा सकते हैं। यहां आपको अपनी सीट रिजर्व करानी होगी। यहां पर करीब 60 मेहमान एक साथ भोजन कर सकते हैं। अन्य रेस्त्रां की तरह यहां पर डांस-डीजे और म्यूजिक भी मिलेगा। यहां पहुंचते ही 100 से भी ज्यादा लालटेन जलते हुए दिखाई देंगे। लैम्यु स्टाइल फर्नीचर पर विशेष तौर पर यहां बैठने की व्यवस्था है। इस रेस्त्रां को अफ्रीका के मोस्ट रोमांटिक रेस्त्रां के खिताब से भी नवाजा जा चुका है।



आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान



शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।

शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन
67 गेंदों पर

भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने



इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । *पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह*



भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं।

आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।

पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती। '

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।

वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे। '

उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।





प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी

नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं। '

झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज

नई दिल्ली । *झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है।*

झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8



रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं।

उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं।

झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।



न्यूज डायरी

गोवा फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता पंकज झा ने हरियाणा पवेलियन का किया दौरा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गोवा में आयोजित 57वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के अंतर्गत वेव्स फिल्म बाजार में स्थापित हरियाणा स्टेट पवेलियन में चौथे दिन भी फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियों का आगमन जारी रहा। मंगलवार को अभिनेता पंकज झा ने हरियाणा पवेलियन का दौरा किया और प्रदेश की फिल्म नीति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने हरियाणा में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और राज्य सरकार द्वारा फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में रुचि दिखाई। फ़िल्म क्षेत्र से जुड़े आगंतुकों ने प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए उपलब्ध अवसरों, शूटिंग लोकेशनों तथा फिल्म निर्माताओं को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

हरियाणा पवेलियन के माध्यम से राज्य सरकार की ओर से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध शूटिंग लोकेशनों और फिल्म नीति के तहत फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही, फिल्म निर्माताओं और कलाकारों को हरियाणा में शूटिंग की संभावनाओं तथा अनुमति प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। हरियाणा सरकार का उद्देश्य प्रदेश को फिल्म निर्माण के एक आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करना तथा फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों, निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए नए अवसर सृजित करना है।

बाबा साहब के सपने को साकार कर रही है सरकार- कृष्ण कुमार बेदी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और गरीब परिवारों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। बाबा साहब अम्बेडकर भवन का निर्माण भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस भवन में समाज के कार्यक्रम, बैठकें, सांस्कृतिक आयोजन और बच्चों की शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होंगी। इससे समाज में एकता और भाईचारा और मजबूत होगा। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मंगलवार को कुरुक्षेत्र के गांव पिडारसी न्यू कॉलोनी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता (पूर्व विधायक) एवं , अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. बंताराम वाल्मीकि ने की। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से समाज के हर वर्ग को बराबरी का अधिकार दिया। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया और कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो - यही बाबा साहब का मूल मंत्र था। प्रदेश सरकार बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के वंचित, गरीब और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बार एसोसिएशन गुहला ने सर छोटू राम की जयंती पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

गुहला/चीका: बार एसोसिएशन गुहला द्वारा किसान मसीहा सर छोटू राम की 145वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सभी अधिवक्ताओं ने सर छोटू राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और समाज व किसानों के हित में उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को याद किया।

बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य एवं हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता अधिवक्ता जीवन सिंह ने कहा कि अन्नदाता सर छोटू राम को युगों-युगों तक नमन करता रहेगा। यदि सर छोटू राम जैसी महान शख्सियत इस धरती पर जन्म नहीं लेती तो संभवतः आज किसानों के पास उनकी जमीन सुरक्षित नहीं होती। उन्होंने किसानों, मजदूरों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए जो कार्य किए, उन्हें शब्दों में बयां करना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि सर छोटू राम ने कर्ज अधिनियम 1934 के माध्यम से किसानों को साहूकारों के कर्ज के जाल से राहत दिलाने और गिरवी रखी जमीन वापस प्राप्त करने का रास्ता प्रशस्त किया। उस समय अनेक किसान साहूकारों के चंगुल में फंसकर अपनी बहुमूल्य जमीन गिरवी रख चुके थे। ऐसे किसानों को राहत दिलाने में इस कानून ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साहूकार पंजीकरण अधिनियम 1938 भी किसानों को शोषण से बचाने में कारगर साबित हुआ।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने ब्रह्म मंदिर से ब्रह्म यात्रा का किया शुभारंभ

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने सोमवार को कुरुक्षेत्र स्थित पवित्र ब्रह्म मंदिर से ब्रह्म यात्रा के शुभारंभ अवसर पर भाग लिया। उन्होंने ब्रह्म मंदिर में माथा टेका और ब्रह्म यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और खुशी की लहर देखने को मिली।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि आज ब्रह्म यात्रा का शुभारंभ यहां से किया जा रहा है। आज कार्तिक माह की पूर्णिमा भी है, इस पावन अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों और प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि कार्तिक माह में हमने अनेकों त्योहार मनाए हैं। ये त्योहार हमें हमारी संस्कृति से जोड़ने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे कार्यक्रम करने से हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन मिलता है। ब्रह्म मंदिर की बहुत मान्यताएं हैं। वे स्वयं भी यहां पर आती रहती हैं और आज उन्हें इस शुभ अवसर पर यहां माथा टेकने का सौभाग्य मिला है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि ब्रह्म यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में बहुत खुशी और उत्साह है। जितने भी श्रद्धालु यहां आए हैं, सभी में हंसी-खुशी के साथ यात्रा शुरू करने का उत्साह है। उन्हें भी इस यात्रा में शामिल होने का सौभाग्य मिला है, इसके लिए उन्होंने हृदय की गहराइयों से स्वामी जी का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि इससे पहले वे लाडवा में गुरुद्वारा साहिब गई थीं, जहां गुरु पर्व का कार्यक्रम रखा गया था। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की सभी देशवासियों और प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दीं।

धर्मनगरी से विश्वभर में गूंजेगा गीता का संदेश, 5 से 25 दिसंबर तक होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव: विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर 5 दिसंबर से 25 दिसंबर 2026 तक 11वें अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा और धर्मनगरी से विश्व भर में गीता का संदेश गूंजेगा। इस वर्ष पहली बार दिल्ली और पश्चिम बंगाल सहयोगी राज्य की भूमिका में रहेंगे। वहीं, मॉरीशस के राष्ट्रपति श्री धरमबीर गोखूल 14 दिसंबर को ब्रह्मसरोवर पर गीता यज्ञ एवं पूजन के साथ महोत्सव का विधिवत शुभारंभ करेंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहली बार दिल्ली और पश्चिम बंगाल सहयोगी राज्य की भूमिका में रहेंगे। दोनों प्रदेशों द्वारा पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक पवेलियन स्थापित किया जाएगा, जहां पर्यटक एवं श्रद्धालु इन राज्यों की संस्कृति, शिल्प और खान-पान से परिचित हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि महोत्सव में 18 से अधिक देशों के 60 शिल्पकार अपनी शिल्पकला का प्रदर्शन करेंगे। विभिन्न भाषाओं में गीता के संस्करणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। महोत्सव में हरियाणा की संस्कृति, शिल्प और खान-पान से संबंधित हरियाणा पैवेलियन भी बनाया जाएगा। इसके माध्यम से पर्यटक एवं तीर्थ यात्री प्रदेश की समृद्ध संस्कृति से रूबरू होंगे। इसके अलावा 22 दिसंबर को बलराम कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा।

समरसता संकल्प यात्रा का 25 नवंबर को हरियाणा में होगा भव्य स्वागत, कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे विशाल जनसभा को संबोधित : डॉ. अर्चना गुप्ता

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही देशव्यापी समरसता संकल्प यात्रा का बुधवार, 25 नवंबर को हरियाणा में ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा उत्तर प्रदेश से यमुनानगर जिले के कलानौर में प्रवेश करेगी, जहां प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, संत समाज और छत्तीस बिरादरी के लोग पुष्पवर्षा एवं अन्य स्वागत कार्यक्रमों के माध्यम से यात्रा का अभिनंदन करेंगे।



प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि 18 नवंबर को पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां से प्रारंभ हुई समरसता संकल्प यात्रा 3 दिसंबर को वाराणसी स्थित सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर में संपन्न होगी। लगभग 2,402 किलोमीटर लंबी इस यात्रा का उद्देश्य सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के सामाजिक समानता, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संत-महापुरुष किसी एक समाज की नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की धरोहर होते हैं। समरसता संकल्प यात्रा सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने का महत्वपूर्ण अभियान है।

कलानौर से कुरुक्षेत्र तक जगह-जगह होगा भव्य स्वागत

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि 25 नवंबर को सुबह लगभग 11 बजे यमुनानगर जिले के कलानौर में यात्रा का स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, यमुनानगर विधायक श्री घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री कंवरपाल गुर्जर, यमुनानगर की मेयर श्रीमती सुमन बहमनी, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं यात्रा के हरियाणा संयोजक श्री सत्यप्रकाश जरावता, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय खुंडिया, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री भूपेश्वर दयाल तथा भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश सपरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य और अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवेश कुमार राम भी इस यात्रा के साथ चल रहे हैं। दोनों राष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति में हरियाणा के विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत किया जाएगा।

कलानौर से यात्रा लगभग 12 बजे यमुनानगर के महाराणा प्रताप चौक पहुंचेगी, जहां विधायक श्री घनश्याम दास अरोड़ा एवं स्थानीय कार्यकर्ता स्वागत करेंगे। इसके बाद लगभग 12:30 बजे जगाधरी बस स्टैंड पर पूर्व मंत्री श्री कंवरपाल गुर्जर और स्थानीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में यात्रा का अभिनंदन किया जाएगा।

यात्रा इसके बाद थाना छप्पर होते हुए अंबाला जिले के बराड़ा क्षेत्र में प्रवेश करेगी। लगभग 1:30 बजे परशुराम चौक, बराड़ा तथा इसके बाद पृथ्वीराज चौक, उगाला में स्वागत कार्यक्रम होंगे। इन कार्यक्रमों में पूर्व विधायक श्रीमती संतोष सारवान, पूर्व विधायक श्री राजबीर बराड़ा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य यात्रा का स्वागत करेंगे।

ई-रिक्शा ने धीमी की 'सिटी ब्यूटीफुल' की रफ्तार, निगरानी के अभाव में बढ़ी यातायात की समस्या

जगदीप, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए ई-रिक्शा अब स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या और अनियंत्रित संचालन के कारण चंडीगढ़ की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। स्थानीय लोगों और दैनिक यात्रियों का आरोप है कि इन वाहनों पर न तो ट्रैफिक पुलिस की कोई सख्त निगरानी है और न ही परिवहन विभाग का कोई अंकुश दिखाई दे रहा है।

यातायात नियमों की अनदेखी और जाम की स्थिति

शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा चालकों द्वारा बीच सड़क पर सवारी बैठाने और उतारने की प्रवृत्ति आम हो गई है। इससे व्यस्त समय (पीक आवर्स) के दौरान लंबा जाम लग जाता है। वाहन चालकों का कहना है कि बिना किसी निर्धारित रूट या स्टॉप के चलने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। कई ई-रिक्शा बिना नंबर प्लेट या आवश्यक दस्तावेजों के भी सड़कों पर दौड़ते देखे जा सकते हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों के बीच इस बात को लेकर चर्चा है कि प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा इन पर कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। कुछ वर्गों का मानना है कि ई-रिक्शा यूनियनों और उनसे जुड़े प्रभावशाली राजनीतिक दबाव के चलते प्रशासन सख्त कदम उठाने से कतरा रहा है। हालांकि, प्रशासनिक स्तर पर इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

नियमों के पालन की मांग

दूसरी ओर, ई-रिक्शा चालकों का पक्ष है कि वे स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आजीविका चला रहे हैं और शहर में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी (लास्ट-माइल कनेक्टिविटी) प्रदान कर रहे हैं। वहीं, शहरवासियों की मांग है कि प्रशासन ई-रिक्शा के संचालन को बंद करने के बजाय इनके लिए स्पष्ट रूट, निर्धारित स्टैंड और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

गुरुग्राम की तस्वीर बदलने के लिए मिशन मोड में काम करें अधिकारी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को गुरुग्राम में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) तथा नगर निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए शहर की स्वच्छता, सीएंडडी वेस्ट (निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट) के प्रबंधन, जलभराव की रोकथाम, सड़क, पेयजल एवं सीवरेज की मिसिंग लिंक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरुग्राम की व्यवस्थाओं के भीतर धरातल पर स्पष्ट बदलाव दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। अधिकारी पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों को धरातल पर उतारें। उन्हें केवल कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट नहीं, बल्कि उनके वास्तविक परिणाम दिखाई देने चाहिए।



बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, हरियाणा सरकार के शहरी विकास विभाग के प्रधान सलाहकार डी.एस.ढेसी, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ यशपाल यादव, भी मौजूद रहे।

स्वच्छता और सीएंडडी वेस्ट प्रबंधन पर माइक्रो मैनेजमेंट से करें काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और सीएंडडी वेस्ट के उचित निस्तारण के लिए अधिकारी माइक्रो मैनेजमेंट के स्तर पर काम करें। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

श्री कपाल मोचन मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उत्पाद बने आकर्षण, स्वदेशी स्टॉल से मिल रहा स्वरोजगार को बढ़ावा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेला श्री कपाल मोचन-श्री आदि बद्री में आयोजित प्रदर्शनी के साथ लगे स्वदेशी मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणादायक कहानी बयां कर रहे हैं।



मेले में जिला अंबाला के गांव हरडा परी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल पर शहद, फूलों से तैयार शहद, हनी च्यवनप्राश तथा ड्राई फ्रूट हनी सहित विभिन्न उत्पाद उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इन उत्पादों को महिलाओं द्वारा तैयार किया जा रहा है, जिससे उन्हें स्वरोजगार के साथ अपनी आमदनी बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। परी स्वयं सहायता समूह की प्रधान परवित्रा रानी ने बताया कि उनके समूह में कुल 11 महिलाएं शामिल हैं, जो मिलकर विभिन्न उत्पाद तैयार करने और उनकी बिक्री का कार्य करती हैं। समूह द्वारा प्राकृतिक रूप से प्राप्त शहद तथा शहद से तैयार अन्य उत्पादों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। स्टॉल पर जंगली मधुमक्खियों से तैयार शहद विशेष आकर्षण बना हुआ है, जिसे 500 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। इसके अलावा शहद में ड्राई फ्रूट्स मिलाकर तैयार किए गए उत्पाद तथा हनी च्यवनप्राश भी ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि इस प्रकार के मेले उनके लिए काफी लाभकारी साबित हो रहे हैं। एक ओर उन्हें अपनी मेहनत से तैयार उत्पादों की बिक्री का अवसर मिलता है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अपने काम को आगे बढ़ाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले एवं श्री कपाल मोचन मेला जैसे आयोजन महिला स्वयं सहायता समूहों को मंच प्रदान करते हैं और महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिव्य नगर योजना के तहत पानीपत में आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम और सीसीएमएस को लागू करने के लिए 4097.75 लाख रुपये की मिली प्रशासनिक स्वीकृति- शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

चंडीगढ़- हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार शहरी बुनियादी ढांचे को आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में दिव्य नगर योजना के अंतर्गत पानीपत नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम और सीसीएमएस (सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग सिस्टम) लगाने के लिए 4097.75 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही, योजना के तहत 2048.87 लाख रुपये आवंटित करने को भी मंजूरी दी गई है। यह महत्वपूर्ण स्वीकृति मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की स्वीकृति से जारी की गई है। इसके लिए शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने बताया कि पानीपत नगर निगम के कार्यालय से इस विकास परियोजना का प्रस्ताव और अनुमान प्रस्तुत किया गया था। आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीएमएस लगने से शहर की सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी व्यवस्था अधिक प्रभावी व ऊर्जा-दक्ष बनेगी। इससे नागरिकों व विद्यार्थियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित होगी और रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अनिल विज का आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला-" पहले दिल्ली में गुरु (अरविन्द केजरीवाल) को हराया, अब चेले (भगवंत मान) की बिसात क्या है"

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज आम आदमी पार्टी के नेताओं पर तीखा बयानी हमला करते हुए कहा कि 'भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के गुरु अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में हराया है और अब चेले (पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान) की तो बिसात ही क्या है' । उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन पंजाब में शत-प्रतिशत सरकार बनाएगा। श्री विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा पंजाब चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के गठबंधन के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।



गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर हुआ गठबन्धन - विज

गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि यह पंजाब के जन-जन की आवाज थी। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के जंगल राज से मुक्ति पाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का इकट्ठा होना बहुत जरूरी था। विज ने कहा कि आज शुभ दिन है और आज गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव भी है और आज के शुभ दिन पर पंजाब के लिए यह गठबंधन हुआ है और यह गठबंधन पंजाब में शत प्रतिशत सरकार बनाएगा।

आम आदमी पार्टी का सब कुछ इस देश में खत्म हो चुका - विज

साल 2027 में पंजाब में सरकार आने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 'यह जीत का सर्कल है और यह सर्कल हरियाणा से शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा जीते, दिल्ली जीते, बिहार जीते, बंगाल जीते उसके बाद असम जीते और जीतते जीतते अब फिर पंजाब पर आ गए हैं।

सामाजिक समरसता की सबसे बड़ी ताकत आपसी विश्वास और भाईचारा, सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने दिखाया एकजुट समाज का मार्ग: ओम प्रकाश

महेंद्रगढ़। नारनौल के विधायक एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री डॉ. ओम प्रकाश यादव ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, आपसी विश्वास और भाईचारे में निहित होती है। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने सदियों पहले समाज को इसी एकता का मार्ग दिखाया था। उन्होंने उस दौर में मानव समानता और सामाजिक सद्भाव की अलख जगाई, जब समाज ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी कुरीतियों से जूझ रहा था। उनके 650वें जयंती वर्ष पर आयोजित समरसता संकल्प यात्रा उन्हीं महान विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में आपसी विश्वास की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।



विधायक डॉ. ओम प्रकाश यादव मंगलवार को जिला महेंद्रगढ़ में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की महान संत परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान समाज को जोड़ना रहा है। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने अपनी शिक्षाओं से स्पष्ट किया कि मनुष्य की पहचान उसकी जाति या जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म और आचरण से होती है। उन्होंने समाज को समानता, परस्पर सम्मान और मानव कल्याण की प्रेरणा दी। डॉ. ओम प्रकाश यादव ने कहा कि संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग विशेष की धरोहर नहीं होते। उनके विचार पूरे समाज की साझी विरासत होते हैं। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने जिस समतामूलक समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पूर्व मंत्री डॉ. ओम प्रकाश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा में सामाजिक समरसता, अंत्योदय और सर्वसमावेशी विकास को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है।

गन्ना आंदोलन के नौवें दिन किसानों ने मनाई दीनबंधु चौधरी छोटूराम की जयंती, हरियाणा साझा संघर्ष मोर्चा का गठन

यमुनानगर - यमुनानगर सरस्वती शुगर मिल में गन्ने के मूल्य को लेकर किसानों का धरना मंगलवार को नौवें दिन भी जारी रहा। धरने के दौरान किसानों ने दीनबंधु चौधरी छोटूराम की जयंती मनाई और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान गन्ना आंदोलन को प्रदेशव्यापी मजबूती देने के लिए हरियाणा के विभिन्न किसान संगठनों ने एकजुट होकर हरियाणा साझा संघर्ष मोर्चा का गठन किया। अब गन्ना किसानों का आंदोलन इसी मोर्चे के बैनर तले चलाया जाएगा। धरनास्थल पर कांग्रेस के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, मध्य प्रदेश से सह प्रभारी रवि जोशी और जगाधरी के विधायक अकरम खान किसानों को समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए उनके संघर्ष में साथ देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर किसान नेताओं ने कहा कि गन्ना किसानों की मांगों को लेकर सभी किसान संगठन एकजुट हैं और जब तक किसानों को उनका उचित हक नहीं मिलता, संघर्ष जारी रहेगा। आज के धरने की अध्यक्षता जिला सचिव विक्रांत ससौली ने की। भारतीय किसान यूनियन के यमुनानगर जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने बताया कि आंदोलन को व्यापक स्तर पर चलाने के लिए सभी किसान संगठनों ने मिलकर साझा संघर्ष मोर्चा बनाया है।

सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज का समरसता संदेश पूरे समाज को जोड़ने की प्रेरणा, फरीदाबाद में ऐतिहासिक होगी समरसता संकल्प यात्रा : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने सदियों पहले जिस समतामूलक और भेदभावमुक्त समाज की कल्पना की थी, वह आज भी सामाजिक एकता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। उनके 650वें जयंती वर्ष पर निकाली जा रही समरसता संकल्प यात्रा केवल उनकी महान विरासत का स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों को समाज के व्यवहार में उतारने का व्यापक अभियान है। उन्होंने कहा कि 28 नवंबर को फरीदाबाद में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा सामाजिक सद्भाव, श्रद्धा और भाईचारे का ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।



केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी, फरीदाबाद की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज में व्याप्त भेदभाव और कुरीतियों को समाप्त करने का मार्ग दिखाया है। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने मानव को मानव से जोड़ने, प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान देने और सभी के कल्याण की भावना को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। उनके विचार किसी जाति या समुदाय की सीमाओं में नहीं बंधे हैं। वे संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत हैं।

श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सामाजिक समरसता का वास्तविक अर्थ केवल एक साथ बैठना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, अधिकारों और अवसरों को स्वीकार करना है। जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी आत्मसम्मान और विश्वास के साथ आगे बढ़ता है, तभी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति होती है। भारतीय जनता पार्टी इसी अंत्योदय की भावना के साथ सामाजिक समरसता और सर्वसमावेशी विकास को अपनी प्रतिबद्धता मानती है।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सबक साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर कार्य कर रही है।